मनेन्द्रगढ़
27 नवंबर 2025 गुरुवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

दैनिक मीडिया ऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

कमला पसंद कंपनी के मालिक की बहू ने आत्महत्या की

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के मशहूर पान मसाला कंपनी कमला पसंद और राजश्री के मालिक कमल किशोर चौरसिया की बहू दीप्ति चौरसिया (40) ने दिल्ली के वसंत विहार स्थित अपने घर में मंगलवार शाम आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, दीप्ती का शव पंखे से लटका हुआ मिला।

दीप्ति का शव सबसे पहले उसके पति हरप्रीत चौरसिया ने देखा। हरप्रीत उन्हें अस्पताल लेकर गए, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक, पुलिस को एक डायरी मिली है, जिसमें दीप्ति ने अपने पति के साथ विवाद का जिक्र किया है। दीप्ति ने डायरी में लिखा है कि अगर किसी रिश्ते में प्यार और भरोसा नहीं तो फिर रिश्ते में रहने की और जीने की वजह क्या है। पुलिस के मुताबिक, दीप्ति और उनके पति अलग-अलग घरों में रहते थे।

कॉमेडियन कुणाल कामरा की टी-शर्ट पर विवाद

कुत्ते के साथ आरएसएस जैसा शब्द लिखा, भाजपा बोली- ये आपत्तिजनक

मुंबई, एजेंसी। कॉमेडियन कुणाल कामरा एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। सोशल मीडिया पर उनकी एक तस्वीर वायरल हो रही है, जिसमें वह एक टी-शर्ट पहने नजर आ रहे हैं। टी-शर्ट में छपी तस्वीर में एक कुत्ते की फोटो और 'RSS' जैसा दिखने वाला अक्षर नजर आ रहा है। हालांकि पूरा 'R' साफ नहीं दिख रहा, इसलिए कई लोगों ने इसे 'PSS' भी बताया है।

कामरा ने ये तस्वीर सोमवार यानी 24 नवंबर को सोशल मीडिया X पर पोस्ट की थी। फोटो अब वायरल हो रही है। कामरा ने पोस्ट में लिखा, यह फोटो किसी कॉमेडी क्लब की नहीं है। इससे पहले मार्च में कामरा ने एक कॉमेडी क्लब में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पर पैरोडी सॉन्ग गाया था। इसके बाद शिवसेना ने उस क्लब में तोड़फोड़ की गई थी।

पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद शिलान्यास के पोस्टर लगे

TMC विधायक बोले- 6 दिसंबर को नींव रखेंगे

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में मंगलवार देर रात बाबरी मस्जिद के शिलान्यास के पोस्टर लगाए गए। इन पर लिखा है- 6 दिसंबर को बेलडांगा में बाबरी मस्जिद का शिलान्यास समारोह होगा। तृणमूल कांग्रेस (TMC) विधायक हुमायूं कबीर को आयोजनकर्ता बताया गया है।खुद कबीर ने मंगलवार को कहा, हम 6 दिसंबर को बाबरी मस्जिद की नींव रखेंगे। तीन साल में इसका निर्माण पूरा होगा। कार्यक्रम में कई मुस्लिम नेता शामिल होंगे। अयोध्या में विवादित ढांचा 6 दिसंबर 1992 को कार सेवकों ने ध्वस्त कर दिया था।

संविधान दिवस पर संविधान 9 नई भाषाओं में जारी

राष्ट्रपति बोलीं- तीन तलाक खत्म करना ऐतिहासिक कदम, जीएसटी से देश की आर्थिक एकता मजबूत हुई

उपराष्ट्रपति बोले- बिहार में ज्यादा वोटिंग लोकतंत्र के ताज में एक और कीमती हीरा जोड़ने जैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के सेंट्रल हॉल में बुधवार को 150 वां संविधान दिवस मनाया गया। इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान को 9 नई भाषाओं मलयालम, मराठी, नेपाली, पंजाबी, बोडो, कश्मीरी, तेलुगु, ओडिया और असमिया में जारी किया।

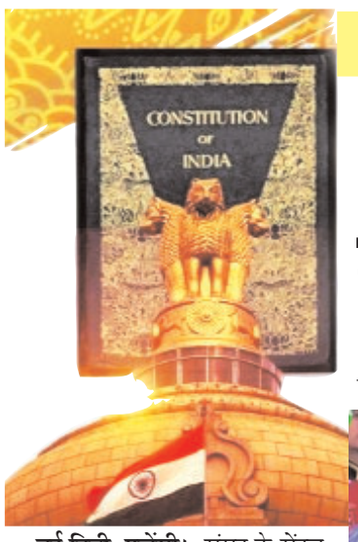

राष्ट्रपति ने कहा- संसद ने तीन तलाक जैसी सामाजिक बुराई को खत्म कर महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया है। तस्ञ्ज आजादी के बाद सबसे बड़ा टैक्स सुधार है, जिसने देश की आर्थिक एकता को मजबूत किया है।

राष्ट्रपति ने बताया- अनुच्छेद 370 हटाने से देश की राजनीतिक एकता में आ रही बाधा दूर हुई। नारी शक्ति बंधन कानून महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की नई शुरुआत करेगा। इस दौरान उन्होंने संविधान की प्रस्तावना भी पढ़ी।

दरअसल 26 नवंबर 1949 को भारत का संविधान बनकर तैयार हुआ था। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और दोनों सदनों के सांसद शामिल रहे।

राष्ट्रपति बोलीं- तीन तलाक को खत्म करना ऐतिहासिक कदम :राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, तीन तलाक से जुड़ी सामाजिक बुराई को खत्म करके संसद ने हमारी बहनों और बेटियों के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है। जीएसटी, जो आजादी के बाद सबसे बड़ा टैक्स सुधार है, देश की आर्थिक एकता मजबूत करने के लिए लागू किया गया। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 हटाने से एक ऐसी रुकावट दूर हुई, जो देश की राजनीतिक एकता में बाधा बन रही थी। नारी शक्ति बंधन कानून महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास का एक नया दौर शुरू करेगा। राष्ट्रपति ने बताया कि इस साल 7 नवंबर से पूरे देश में 'वंदे मातरम' की रचना के 150 साल पूरे होने पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

अपने संविधान के कारण ही मैं सरकार के मुखिया के रूप में कार्य कर पाया: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को संविधान की सराहना करते हुए कहा कि यह एक ऐसा दस्तावेज है, जिसने उनके जैसे साधारण पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति को पहले गुजरात में और फिर केंद्र में सरकार के प्रमुख के रूप में देश की सेवा करने में सक्षम बनाया। संविधान दिवस के अवसर पर नागरिकों को संबोधित एक पत्र में मोदी ने संविधान निर्माण प्रक्रिया के नेताओं के प्रति सम्मान व्यक्त किया तथा भारत के विकसित राष्ट बनने के मार्ग पर अग्रसर होने के लिए नागरिक कर्तव्यों पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''यह हमारे संविधान की शक्ति है जिसने मुझ जैसे व्यक्ति को, जो एक विनम्र और आर्थिक रूप से वंचित परिवार से आता है, 24 वर्षों से अधिक समय तक लगातार सरकार के प्रमुख के रूप में सेवा करने में सक्षम बनाया। मुझे आज भी 2014 के वो पल याद हैं, जब मैं पहली बार संसद आया था और लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर की सीढ़ियों को छूकर प्रणाम किया था। फिर से, 2019 में, चुनाव परिणामों के बाद, जब मैंने संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में प्रवेश किया, तो मैंने झुककर संविधान को श्रद्धा के प्रतीक के रूप में अपने माथे पर रखा। इस संविधान ने मुझ जैसे कई अन्य लोगों को सपने देखने और उसके लिए काम करने की शक्ति दी है, प्रधानमंत्री ने 26 नवंबर को कहा था, 1949 में इसी दिन संविधान सभा ने भारत के संविधान को अपनाया था, जो एक ऐसा पवित्र दस्तावेज है जिसने स्पष्टता और दृढ़ विश्वास के साथ देश की प्रगति का मार्गदर्शन करना जारी रखा है।

राहुल बोले- संविधान पर होने वाले वार पर सबसे पहले खड़ा रहूंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में आज संविधान दिवस मनाया जा रहा है। दरअसल, 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने देश के मौजूदा संविधान को मंजूरी दी थी। यही संविधान देश के अधिकतर कानूनों की आधारशिला बना है। राहुल गांधी ने बुधवार को देशवासियों को संविधान दिवस की शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने कहा कि देश के संविधान पर होने वाले किसी भी प्रहार के सामने वे सबसे आगे खड़े रहेंगे। राहुल के अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और अन्य नेताओं ने भी संविधान दिवस पर बधाई दीं।

अमित शाह बोले- संविधान से मजबूत राष्ट्र निर्माण का मार्ग प्रशस्त

दूसरी तरफ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, आज संविधान दिवस पर बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी, डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी सहित संविधान सभा के सभी महान सदस्यों को नमन और देशवासियों को इस दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत का संविधान हर देशवासी को समान अवसर, सम्मानपूर्ण जीवन, राष्ट्रीय कर्त्तव्य और अधिकार प्रदान कर मजबूत राष्ट्र निर्माण का मार्ग प्रशस्त करता है।

संविधान की पवित्रता और कानून का शासन बनाए रखने में बार की भूमिका बेहद जरूरी: सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली,एजेंसी। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने एक बयान में कहा है कि देश में संविधान की पवित्रता और कानून का शासन बनाए रखने के लिए बार की भूमिका बेहद जरूरी है। सीजेआई ने ये भी कहा कि देश में कमजोर और हाशिए पर पड़े लोगों के लिए कानूनी सहायता देने में भी बार की अहम भूमिका है।

संविधान दिवस कार्यक्रम में क्या बोले सीजेआई :संविधान दिवस के मौके पर सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि जब हम इस अहम पल का जश्न मना रहे हैं, जब भारत ने अपने आप को अपना बुनियादी अनुबंध दिया था, मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि देश में कानून का शासन और संविधान की पवित्रता बनाए रखने में बार की भूमिका बेहद जरूरी है। सीजेआई ने कहा कि मुझे यह कहने में कोई झिझक नहीं है कि अगर अदालतों को संविधान का पहरेदार माना जाता है, तो बार के सदस्य हमारे रास्ते को रोशन करने वाले पथप्रदर्शक हैं। वे हमें अपने गंभीर कर्तव्यों को पूरा करने और हमारे कर्तव्यों को पक्के यकीन के साथ निभाने में मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि वह अक्सर न्याय व्यवस्था के अदृश्य पीड़ितों के बारे में बात करते हैं और मेरा मानना है कि सिर्फ बार ही उन्हें इस पीड़ा से बचा सकता है। उन्होंने कहा, सांविधानिक मामलों में हमारी मदद करने के अलावा यह भी उतना जरूरी है कि बार हमारे संविधान की मूल भावना को सामने लाने के लिए भी सही कदम उठाए। इसमें उन लोगों को कानूनी मदद देना शामिल है जो कमजोर हैं या समाज के हाशिये पर जी रहे हैं। साथ ही राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों में दिए गए नजरिए के साथ खुद को जोड़ना भी बार की जिम्मेदारी है।

सिर्फ संविधान ही सर्वोच्च :इस मौके पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के अनुसार, यह संविधान की खूबसूरती है कि इसके तीनों हिस्से, न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका, एक-दूसरे से आजाद हैं और साथ ही अंदरूनी चेक एंड बैलेंस भी है। अगर कार्यपालिका कुछ ऐसा करता है जो संविधान के खिलाफ है, तो न्यायपालिका की सर्वोच्चता है। लेकिन आखिरकार कोई भी अंग सर्वोच्च नहीं होता और सिर्फ संविधान ही सर्वोच्च है। 26 नवंबर को साल 2015 से संविधान दिवस के तौर पर मनाया जाता है, यह दिन 1949 में संविधान सभा द्वारा भारत के संविधान को अपनाने की याद में मनाया जाता है।

संविधान दिवस पर बोलीं मामता

एसआईआर के पीछे असली मंशा एनआरसी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को दावा किया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के पीछे असली मंशा एनआरसी है। संविधान दिवस के अवसर पर रेड रोड स्थित बी.आर. आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए बनर्जी ने कहा कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी लोगों की नागरिकता पर सवाल उठाया जा रहा है।

एक दिन पहले एक्स पर एक पोस्ट में सीएम ममता ने कहा कि जब लोकतंत्र दांव पर हो, धर्मनिरपेक्षता खतरे में हो और संघवाद को ध्वस्त किया जा रहा हो, तो लोगों को संविधान से मिले मूल्यवान मार्गदर्शन की रक्षा करनी चाहिए। सीएम बनर्जी ने कहा कि संविधान राष्ट्र की रीढ़ है, जो भारत की संस्कृतियों, भाषाओं और समुदायों की विविधता को कुशलतापूर्वक एक साथ पिरोता है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इस संविधान दिवस पर मैं हमारे महान संविधान और भारत में हमें जोड़ने वाले महान दस्तावेज के प्रति गहरा सम्मान और श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले राज्यसभा सचिवालय ने सदस्यों को संसदीय शिष्टाचार और अनुशासन को लेकर नया बुलेटिन जारी किया है। इस बुलेटिन में सदन की गंभीरता बनाए रखने के लिए नारेबाजी समेत जय हिंद, वंदे मातरम, थैंक यू जैसे शब्दों पर भी प्रतिबंध लगाया गया है।

काली की मूर्ति का श्रृंगार मदर मैरी जैसा, गले में क्रॉस, गोद में बच्चा

पुजारी बोला- देवी ने सपने में ऐसा करने को कहा

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में चेंबूर इलाके के एक मंदिर में देवी काली माता की मूर्ति को ईसाई समुदाय की मदर मैरी की तरह सजाने का मामला सामने आया है। मूर्ति को क्रॉस पहनाया गया। मंदिर में लाल कपड़ा लगाया गया। इसका वीडियो वायरल हो रहा है। शिकायत पर पुलिस ने मंदिर के पुजारी को गिरफ्तार कर लिया है। जो वीडियो वायरल है उसमें नजर आ रहा है कि मंदिर में एक युवक पहुंचा हुआ है। वो वीडियो शूट कर रहा है। युवक काली माता के मंदिर की ओर बढ़ता है। मंदिर के पठ बंद हैं। जाली से वो दिखाता है कि काली माता को मदर मेरी की तरह वेशभूषा पहनाई गई है। जैसे मदर मैरी की मूर्ति होती है, वैसा ही सजाया गया है। काली माता के सिर पर क्राउन रखा गया है। मंदिर के अंदर लाल कपड़ा लगा नजर आ रहा है। साथ ही चर्च जैसी लाइटिंग की गई है। मूर्ति के आग दिए की जगह मोमबत्ती जलती नजर आ रही हैं। साथ ही काली माता को गोद में बच्चा लिए दिखाया गया है।

दिल्ली ब्लास्ट: सुसाइड बॉम्बर उमर का एक और साथी गिरफ्तार

- **डॉ. आदिल-शाहीन को फरीदाबाद लाएगी एनआईए, अब तक 7 आतंकी पकड़े गए**

फरीदाबाद, एजेंसी। दिल्ली ब्लास्ट केस में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA) ने सुसाइड बॉम्बर आतंकी डॉ. उमर नबी के साथी शोएब को गिरफ्तार किया है। शोएब फरीदाबाद के धौज गांव का रहने वाला है। वह अल-फलाह यूनिवर्सिटी में वार्ड बॉय था। उस पर आरोप है कि उसने आतंकी उमर को सामान लाने और ले जाने में मदद की थी।

शोएब ने ही नूंह में उमर को अपनी साली अफसाना के घर में कमरा किराए पर दिलाया था। 10 नवंबर को दिल्ली ब्लास्ट से पहले 10 दिन उमर इसी घर में रहा था। विस्फोट वाले दिन, वह नूंह से ही दिल्ली के लिए रवाना हुआ था। दिल्ली ब्लास्ट केस में यह सातवीं गिरफ्तारी है।

NIA डॉ. आदिल और डॉ. शाहीन को अल-फलाह यूनिवर्सिटी लाएगी :उधर, आतंकी मॉड्यूल में शामिल डॉ. मुजम्मिल शकील की निशानदेही के बाद अब जांच एजेंसी हृढ्ढ डॉ. आदिल अहमद और डॉ. शाहीन सईद को अल-फलाह यूनिवर्सिटी लाएगी। अभी तक की जांच में सामने आया है कि डॉ. आदिल और डॉ. उमर नबी के बीच कई साल से दोस्ती थी। आदिल कई बार उमर से मिलने के लिए यूनिवर्सिटी आया था। वह यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में उमर के फ्लैट में ही रुकता था। यहां उसकी मुलाकात मुजम्मिल शकील और शाहीन सईद से हुई। बताया जा रहा है कि आदिल ने ही फतेहपुरा तगा और धौज गांव में विस्फोट जुटाने का आइडिया दिया था, क्योंकि आसपास काफी मुस्लिम आबादी है। इसके अलावा यहां बगैर किसी कागजी फार्मेलिटी के आसानी से कमरे भी किराए पर मिल जाते हैं।

केरल हाईकोर्ट बोला-कमाने के काबिल पत्नी गुजारा भत्ता की हकदार

अस्थायी इनकम पर्याप्त नहीं; सिलाई करने वाली महिला पति से अलग रह रही थी

कोच्चि, एजेंसी। केरल हाईकोर्ट ने तलाक के केस में मंगलवार को कहा कि अगर पत्नी कमाने के काबिल है, लेकिन उसकी आमदनी स्थायी नहीं है या अपना खर्च नहीं उठा पा रही है, तो वह भरण-पोषण की हकदार है। उसे इससे वंचित नहीं किया जा सकता। जस्टिस कौसर एडप्पगाथ ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि कमाई करने की क्षमता और वास्तव में पर्याप्त कमाई करने में फर्क है। मामला एक महिला की याचिका से जुड़ा है, जिसने वह अपने पति से अलग रहने के बाद अपने और दो बच्चों के लिए भरण-पोषण की मांग की थी। महिला ने बताया कि वह सिलाई जानती है, लेकिन स्थायी काम नहीं है और आमदनी भी पर्याप्त नहीं है। उसने पति पर मानसिक और शारीरिक क्रूरता का आरोप लगाया और कहा कि इसी कारण वे अलग रह रहे हैं।

205 दिन बाद बंद बद्रीनाथ धाम के कपाट, सेना के बैंड की धुन पर थिरके भक्त

जोशीमठ के नरसिंह मंदिर में होगी शीतकालीन पूजा

चमोली, एजेंसी। उत्तराखंड के चमोली में स्थित बद्रीनाथ धाम के कपाट मंगलवार दोपहर 2ः56 बजे शीतकाल के लिए विधि-विधान के साथ बंद कर दिए गए। धाम में सुबह से ही हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। कपाट बंद होने से ठीक पहले देश के प्रथम गांव माणा में तैयार किया गया घृत कंबल भगवान बद्रीनारायण को ओढ़ाया गया।

परंपरा के अनुसार उद्धव और कुबेर की प्रतिमाओं को भी गर्भगृह से बाहर लाया गया, शीतकालीन प्रवास के दौरान भक्त अब भगवान बद्रीनाथ के दर्शन पांडुकेश्वर स्थित योगध्यान बदरी में कर सकेंगे।

कपाट बंदी की प्रक्रिया के दौरान गढ़वाल राइफल्स का बैंड भी तैनात रहा, जिसने परंपरा के अनुसार अंतिम धुनें बजाई। जिसमें मंदिर परिसर में खड़े श्रद्धालु खूब थिरक। जय बद्रीविशाल और जय बद्रीनाथ के जयकारे गूंजते रहे। इस खास अवसर पर मंदिर को 12 क्विंटल गेंदे को फूलों से सजाया गया। इस सीजन 16 लाख 50 हजार से ज्यादा लोग बद्रीविशाल के दर्शन करने पहुंचे हैं।

इस साल चारधाम में पहुंचे 50 लाख श्रद्धालु

209 दिन चली यात्रा, केदारनाथ में रिकॉर्ड टूटा; आपदा के कारण यमुनोत्री पर असर

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के चमोली में स्थित बद्रीनाथ धाम के कपाट बंद होते ही इस साल की चारधाम यात्रा भी संपन्न हो गई है। इस साल 50 लाख से ज्यादा श्रद्धालु चारधाम यात्रा पर आए। यात्रा अक्षय तृतीया के दिन, यानी 30 अप्रैल 2025 को यमुनोत्री और गंगोत्री के कपाट खुलने से शुरू हुई थी। पूरे 6 महीनों तक उत्तराखंड की वादियां 'जय बद्री-विशाल' और 'हर-हर महादेव' की गूंज से भरी रहीं। पिछले साल की तुलना में इस बार श्रद्धालुओं की संख्या में बड़ा उछाल देखने को मिला। जहां 2024 में केदारनाथ और बद्रीनाथ में दर्शन करने वालों ने रिकॉर्ड बनाए थे, वहीं 2025 ने यह रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक, केदारनाथ में 2024 में 16 लाख 52 हजार 76 लोग पहुंचे और इस साल 17 लाख 68 हजार 795 से ज्यादा लोगों ने बाबा केदार के दर्शन किए।

केंद्रीय कैबिनेट ने रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट की मैन्युफैच्करिंग को बढ़ावा देने के लिए 7,280 करोड़ रुपए की योजना को मंजूरी दी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को 7,280 करोड़ रुपए के वित्तीय परिव्यय से सिंटर्ड रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट की मैन्युफैक्करिंग को बढ़ावा देने की योजना को मंजूरी दी। इस योजना का उद्देश्य भारत में प्रतिवर्ष 6 हजार मीट्रिक टन एकीकृत रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट (आरईपीएम) मैन्युफैक्करिंग क्षमता स्थापित करना है। इससे आत्मनिर्भरता बढ़ेगी और भारत वैश्विक आरईपीएम बाजार में प्रमुख मैन्युफैक्करिंग देश के रूप में स्थापित होगा। सिंटर्ड रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट सबसे शक्तिशाली स्थायी चुंबक होते हैं जो नियोडिमियम और सैमरियम जैसी दुर्लभ-पृथ्वी तत्वों के मिश्रधातुओं से बनाए जाते हैं। सिंटरिंग एक निर्माण प्रक्रिया है जिसमें पाउडर को गर्म कंप्रेस्ड किया जाता है जिससे ठोस चुंबक को बनाया जा सके। इसमें दुर्लभ मृदा ऑक्साइड को धातुओं में, धातुओं को मिश्र धातुओं में और मिश्र धातुओं को आरईपीएम में परिवर्तित करना शामिल है। सिंटर्ड रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट इलेक्ट्रिक वाहनों, नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स, एयरोस्पेस और रक्षा अनुप्रयोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

सरकार ने बयान में कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों, नवीकरणीय ऊर्जा, औद्योगिक

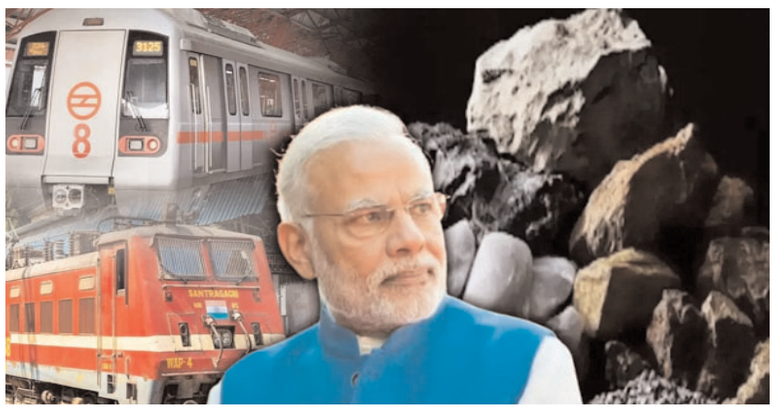

अनुप्रयोगों और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स की तेजी से बढ़ती मांग को देखते हुए भारत में आरईपीएम की खपत 2025 से 2030 में बढ़कर दोगुनी होने की संभावना है। अभी भारत की आरईपीएम की मांग मुख्यत- आयात से पूरी होती है। सिंटर्ड रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट मैन्युफैक्करिंग स्कीम का कुल वित्तीय परिव्यय 7,280 करोड़ रुपए है, जिसमें पांच वर्षों के लिए आरईपीएम बिक्री पर 6,450 करोड़ रुपए का प्रोत?साहन और प्रति वर्ष कुल 6 हजार मीट्रिक टन, आरईपीएम मैन्युफैक्करिंग यूनिट्स स्थापित करने के लिए 750 करोड़ रुपए की पूंजीगत सहायता दिया जाना शामिल है।

सरकार के मुताबिक, इस योजना के तहत वैश्विक प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया द्वारा पांच सफल आवेदकों को कुल क्षमता आवंटित करने का लक्ष्य है। प्रत्येक सफल बोली लगाने वाले को प्रति वर्ष 1,200 मीट्रिक टन मैन्युफैक्करिंग क्षमता आवंटित की जाएगी। योजना की कुल अवधि कार्य सौंपे जाने की तिथि से 7 वर्ष की होगी। इसमें एकीकृत आरईपीएम विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए 2 वर्ष की अवधि और आरईपीएम की बिक्री पर प्रोत्साहन राशि वितरण के लिए 5 वर्ष शामिल हैं।

दिल्ली : झुग्गी में रह रहे हर परिवार को मिलेगा पक्का मकान, सीएम रेखा गुप्ता की बड़ी घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में झुग्गी बस्तियों के पुनर्विकास को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि दिल्ली में दशकों पुरानी झुग्गियां अब विकास की नई दिशा देखेंगी और सरकार झुग्गी में रह रहे हर परिवार को पक्का मकान उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में झुग्गी बस्तियां पिछले कई दशक से मौजूद हैं। कई बस्तियां 30 से 40 साल से भी ज्यादा पुरानी हैं। दिल्ली में जगह-जगह पर झुग्गी बस्तियां बसी हुई हैं। कोई 30 साल पुरानी है तो कोई 40 साल या उससे अधिक पुरानी। कई लोग गांवों से नौकरी की तलाश में दिल्ली आए और यहीं बसते चले गए। आज इनके घरों में दूसरी पीढ़ी जन्म ले चुकी है, जो पूरी तरह दिल्ली की ही नागरिक बन चुकी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इन बस्तियों को समय-समय पर अलग-अलग नामों से बसाया गया। किसी को संजय कॉलोनी तो किसी को इंदिरा कॉलोनी का नाम दिया गया। झुग्गियों को नाम देने का काम तो होता रहा, लेकिन उनके विकास का काम नहीं हुआ। वर्षों से ये लोग बेहतर सुविधाओं और पक्के घर की उम्मीद में जी रहे हैं।

द्वरेखा गुप्ता ने सरकार के

संकल्प को दोहराते हुए कहा कि आगामी समय में दिल्ली की हर झुग्गी बस्ती में चरणबद्ध तरीके से पक्के मकान दिए जाएंगे।उन्होंने कहा, दिल्ली की हर एक झुग्गी परिवार को पक्का मकान दिया जाएगा। यह दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में मेरा वादा है। गरीबों के सिर पर मजबूती की छत देना हमारी प्राथमिकता है उन्होंने पिछली सरकारों पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने भी झुग्गीवासियों को घर देने का वादा किया था, लेकिन वह अपने वादों पर खरे नहींउतरे। रेखा गुप्ता ने कहा, कांग्रेस ने वादा तो किया था। उन्होंने मकान भी बनवाए, लेकिन एक भी झुग्गीवासी को वे मकान नहीं दिए। वे मकान धीरेङ्कधीरे जर्जर होते चले गए, लेकिन उन्हें जरूरतमंद गरीबों को नहीं सौंपा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब परिस्थितियां बदलेंगी और झुग्गियों में रहने वाले लोगों को सम्मानजनक जीवन देने के लिए उनकी सरकार तेजी से नीतियां लागू कर रही है।

उन्होंने बताया कि कई इलाकों में सर्वे का काम शुरू हो चुका है और आने वाले महीनों में व्यापक रूप से पुनर्विकास योजनाएं लागू होंगी। अंत में उन्होंने कहा कि दिल्ली की झुग्गी बस्ती के विकास कार्य के लिए 700 करोड़ रुपए का फंड दिया गया है।

नई ईवी नीति में बैटरी कचरे के निपटान पर रहेगा जोर कैबिनेट में पास कराने के लिए तैयार किया गया मसौदा

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार की नई इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति केवल सड़कों पर ईवी की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं रहेगी बल्कि बढ़ते बैटरी कचरे के निपटाने पर भी केंद्रित होगी। इसके लिए पहली बार व्यापक रूपरेखा तैयार की जा रही है। परिवहन विभाग की ओर से नई ईवी नीति का मसौदा तैयार कर लिया गया है।

बताया जा रहा है कि नई नीति मार्च तक लागू होगी। इससे पहले नई नीति के मसौदे को कैबिनेट में पास किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि मौजूदा नीति में बैटरी

रीसाइक्लिंग और लिथियम-आयन बैटरियों के वैज्ञानिक निपटान को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं हैं जबकि एक ईवी की बैटरी औसत आठ साल चलती है। इसके बाद यह कचरे में बदल जाती है। इसमें जहरीले तत्व होते हैं।

यही वजह है कि नई नीति बैटरी के दोबारा इस्तेमाल और निपटान के लिए पूरी ढांचा-व्यवस्था तैयार करेगी। सरकार की योजना है कि दिल्ली में बैटरी रीसाइक्लिंग को एक संगठित उद्योग का रूप दिया जाए जहां निजी कंपनियों, नगर निगम, शोध संस्थानों और चार्जिंग स्टेशन संचालकों की भूमिका तय हो। परिवहन विभाग ने 2030 तक 5,000 सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन लगाने का लक्ष्य रखा है।

पुलिस के ऑप01रेशन कवच 11.0 से अपराधियों पर कसा शिकंजा, 24 घंटे में 159 जगहों पर छापेमारी, 166 गिरफ्तारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की वेस्ट डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने ऑपरेशन कवच 11.0 के तहत अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई की है। 24 नवंबर 2025 की शाम 6 बजे से लेकर 25 नवंबर 2025 की शाम 6 बजे तक चले 24 घंटे के इस बड़े अभियान में पुलिस ने 166 लोगों को गिरफ्तार किया, 627 संदिग्धों को हिरासत में लिया और 159 जगहों पर छापेमारी की। इस दौरान 276 चालान काटे गए, 2784 क्वार्टर अवैध शराब जब्त की गई और 48,250 रुपये नकद बरामद किए गए। 12 थानों और स्पेशल यूनिट्स ने पूरा योगदान दिया ऑपरेशन कवच 11.0 को पुलिस मुख्यालय के निर्देशों पर चलाया गया था, जिसमें नशे के सौदागरों, अवैध शराब तस्करों, हथियार रखने वालों, जुआरियों, बीएनएस का उल्लंघन करने वालों, डीपी एक्ट तोड़ने वालों, कोटपा एक्ट के अपराधियों और अन्य असामाजिक तत्वों पर निशाना साधा गया। अभियान की कमान वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के डीसीपी के अधीन थी, जिसमें सभी 12 थानों और स्पेशल यूनिट्स ने पूरा योगदान दिया। इनमें स्पेशल स्टाफ/वेस्ट, एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड, एएटीएस/वेस्ट और टेक्निकल सर्विलांस यूनिट्स शामिल थीं।

ऑपरेशन के तहत कुल 71 टीमों ने हॉटस्पॉट्स, झुग्गी-झोपड़ी इलाकों, औद्योगिक क्लस्टरों, शराब की तस्करी वाली रूटों, संदिग्ध जगहों, एकांत इलाकों, रात में होने वाले अपराधों वाली जगहों और सुनसान सड़कों पर छापेमारी की। अभियान के दौरान पुलिस ने लगातार नाकाबंदी और मोबाइल गश्त की, तकनीकी और मानवीय खुफिया जानकारी का इस्तेमाल किया, एसएचओ और विशेष इकाइयों के बीच रीयल-टाइम समन्वय रखा, सरप्राइज छापेमारी की और रात में इलाके पर हावी रही।

रेल यात्रियों के लिए अलर्ट : 1 दिसंबर से 28 फरवरी तक कई ट्रेनें रद्द, दिल्ली-यूपी और हरियाणा के कई रूट शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। घने कोहरे को देखते हुए उत्तर रेलवे ने 1 दिसंबर से 28 फरवरी 2026 तक कई ट्रेनों को अस्थायी रूप से रद्द करने का फैसला किया है। रेलवे ने यात्रा योजना बनाने से पहले ट्रेन की स्थिति जांचने की अपील की है। रेलवे के अनुसार दिल्ली, गाजियाबाद, जींद, शामली, बरेली, कोसी कलां, फरीदाबाद, अंबाला, कुरुक्षेत्र, रोहतक, पानीपत सहित कई रूटों पर संचालित 60 से अधिक ट्रेनों का संचालन निर्धारित अवधि में बंद रहेगा। इनमें मुख्य रूप से पैसेंजर और मेमू सेवाएं शामिल हैं। इधर, दिल्ली-एनसीआर के बीच चलने वाली मेमू और ईएमयू सेवाओं के रुकने से रोजाना सफर करने वाले यात्रियों को असुविधा हो सकती है। दिल्ली क्षेत्र में रद्द रहने वाली प्रमुख ट्रेनें दिल्ली जंक्शन-शामली (54057/54058), दिल्ली जंक्शन-जींद (54031/54034), नई दिल्ली-

गाजियाबाद (64428 /64450), नई दिल्ली-कोसी कलां (64073/64074) शामिल हैं।

मुरादाबाद और फिरोजपुर डिवीजन की कई ट्रेनें भी बंद: एडवाइजरी के अनुसार रोजा-बरेली, बरेली-मुरादाबाद, लखनऊ-शाहजहांपुर, शाहजहांपुर-सीतापुर जैसी कई पैसेंजर ट्रेनें भी इस अवधि में रद्द रहेंगी। मुरादाबाद क्षेत्र में कोहरे का प्रभाव काफी घना रहता है इसलिए सुरक्षा के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है। इसके अलावा अंबाला कैंट से नांगल डैम, पटियाला, कुरुक्षेत्र सहित कई छोटे रूटों पर चलने वाली ट्रेनों को भी अस्थायी रूप से बंद करने का आदेश दिया गया है। वहीं, फिरोजपुर डिवीजन के जालंधर-फिरोजपुर, फाजिल्का-कोटकपूरा, अमृतसर-डेराबाबा नानक रूट पर भी कई सेवाएं प्रभावित रहेंगी।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने संविधान दिवस पर प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने बुधवार को संविधान दिवस पर सभी प्रदेशवासियों को बधाई व शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि संविधान के इन पावन मूल्यों को आत्मसात करते हुए, सब मिलकर विकसित भारत के निर्माण में सहभागी बनने का संकल्प लें। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा कि हमारा संविधान न्याय, समानता, स्वतंत्रता और

बंधुत्व जैसे उच्च आदर्शों पर आधारित एक जीवंत दस्तावेज है, जिसकी रचना भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की दूरदर्शी सोच, गहन विद्वत्ता और अद्वितीय परिश्रम का परिणाम है।

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह महान संविधान न केवल राष्ट्र की एकता और अखंडता का मजबूत आधार है, बल्कि प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार, सम्मान और अवसर प्रदान कर नए भारत की दिशा को भी प्रकाशमान करता है। उल्लेखनीय है कि, 26 नवंबर को पहले राष्ट्रीय कानून दिवस के तौर पर मनाया जाता था, लेकिन अब इसे संविधान दिवस के तौर पर मनाया जाता है।

चीन ने फिलिस्तीन के लोगों को अंतरराष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस की अग्रिम बधाई दी

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने फिलिस्तीन के लोगों को अंतरराष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस (इंटरनेशनल सॉलिडैरिटी डे) की अग्रिम की बधाई दी। संयुक्त राष्ट्र में हर साल 29 नवंबर को फिलिस्तीन के नागरिकों के लिए अंतरराष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस मनाने की परंपरा है। शी ने मंगलवार को अपना बधाई संदेश संयुक्त राष्ट्र की बैठक के लिए भेजा है। चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट में बताया गया है कि शी ने बधाई संदेश ने कहा कि फिलिस्तीन का मुद्दा मध्य पूर्व संकट के दिल में है। क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने के लिए फिलिस्तीन के मुद्दे को निष्पक्षता के साथ सुलझाने की जरूर है। उन्होंने आगे कहा कि मौजूदा हालात में वैश्विक समुदाय को आम सहमति बनानी चाहिए। गाजा में स्थायी संघर्ष विराम की जरूरत है। शी ने कहा कि वह फिलिस्तीन पर फिलिस्तीनी राज करें के सिद्धांत के समर्थक हैं।

शंघाई एयरपोर्ट विवाद : चीन ने खारिज किया दुर्व्यवहार का आरोप

अरुणाचल पर फिर दोहराया दावा

बीजिंग, एजेंसी। चीनी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को शंघाई हवाई अड्डे पर अरुणाचल प्रदेश की एक भारतीय महिला के साथ कथित दुर्व्यवहार की सभी खबरों को सिरे से खारिज कर दिया। प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि महिला को न हिरासत में लिया गया, न उत्पीड़न हुआ और न ही कोई अनुचित व्यवहार किया गया। सीमा अधिकारियों ने पूरी तरह कानून के दायरे में काम किया तथा एयरलाइन ने उन्हें विश्राम कक्ष, भोजन और पानी उपलब्ध कराया। हालांकि इस मौके का उपयोग करते हुए माओ निंग ने एक बार फिर चीन का पुराना दावा दोहराया कि जांगनान (अरुणाचल प्रदेश) चीन का अभिन्न क्षेत्र है और चीन ने कभी भारत द्वारा अवैध रूप से स्थापित तथाकथित अरुणाचल प्रदेश को मान्यता नहीं दी।

घटना 21 नवंबर की है। लंदन में रहने वाली भारतीय मूल की ब्रिटिश नागरिक पेमा वांगजोम थोंगडोक लंदन से जापान जा रही थीं। शंघाई पुडोंग एयरपोर्ट पर ट्रांजिट के दौरान उनकी तीन घंटे की स्टॉपओवर अचानक 18 घंटे तक खिंच गई। चीनी इमिग्रेशन अधिकारियों ने उनके पासपोर्ट में जन्मस्थान के तौर पर अरुणाचल प्रदेश लिखा देखते ही उसे अमान्य घोषित कर दिया और उन्हें आगे जाने से रोक दिया। परेशान पेमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी आपबीती साझा की, जिसके बाद मामला तूल पकड़ लिया।

भारत ने इस घटना पर कड़ा विरोध जताया। सूत्रों के मुताबिक नई दिल्ली ने बीजिंग के सामने औपचारिक आपत्ति दर्ज करते हुए कहा कि ट्रांजिट यात्री को केवल जन्मस्थान के आधार पर हिरासत में लेना और भारतीय पासपोर्ट को अमान्य बताना पूरी तरह अस्वीकार्य है। भारत ने स्पष्ट किया कि अरुणाचल प्रदेश

उसका अभिन्न एवं अविभाज्य हिस्सा है और उसके नागरिकों को भारतीय पासपोर्ट से विश्व में कहीं भी यात्रा करने का पूर्ण अधिकार है। भारतीय पक्ष ने यह भी रेखांकित किया कि चीनी अधिकारियों का यह व्यवहार शिकागो कन्वेंशन तथा मॉन्ट्रियल कन्वेंशन समेत अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नियमों का खुला उल्लंघन है। इस तरह की कार्रवाइयाँ दोनों देशों के बीच चल रहे संबंध सामान्यीकरण के प्रयासों में अनावश्यक बाधा उत्पन्न करती हैं। चीन ने महिला को अंततः जापान के लिए रवाना होने दिया, लेकिन अरुणाचल प्रदेश पर अपने दावे को फिर से जोरदार तरीके से सामने लाकर उसने विवाद को नया आयाम दे दिया है।

पाकिस्तान की आबादी में तेजी से हो रहा विस्फोट, चरमरा सकती है व्यवस्था

क्लाइमेट चेंज और आर्थिक संकट जैसी समस्याएं से कर रही परेशानी पैदा

इस्लामाबाद, एजेंसी। दुनिया में इटली, जापान, रूस, साउथ कोरिया जैसे देशों में तेजी से आबादी कम हो रही है और हालात ऐसे हैं कि अस्तित्व के संकट तक की बात हो रही है। यहां तक कि भारत जैसे देश में भी अब प्रजनन दर तेजी से कम हो रही है। प्रति महिला जन्मदर अब भारत में 1.9 ही रह गई है, लेकिन पाकिस्तान की आबादी में तेजी से विस्फोट हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बदलते दौर में पाकिस्तान की आबादी जिस तरह से बढ़ रही है, उससे देश के आगे संकट पैदा हो सकता है। पाक मीडिया ने ही अपनी एक विस्तृत रिपोर्ट में पाकिस्तान की पूरी व्यवस्था ही चरमराने का अनुमान जताया है। पाक बढ़ती आबादी और उसके संसाधनों में असंतुलन का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि वह क्षेत्रफल के मामले में दुनिया का 33वां देश है, लेकिन आबादी के मामले में वह 5वें नंबर पर पहुंच गया है। करांची, लाहौर, पेशावर, रावलपिंडी, क्वेटा समेत तमाम शहरों की हालत यह है कि जरा सी बारिश भी बाढ़ जैसे हालात पैदा कर देती है। भारी आबादी के चलते कहीं भी रिहायश की सही व्यवस्था नहीं है और खेती का रकबा भी लगातार कम हो रहा है। क्लाइमेट चेंज और आर्थिक संकट जैसी समस्याएं अलग से घर रही हैं। फिलहाल पाकिस्तान की आबादी 241.5 मिलियन पर है। अब यह अगले 5 सालों में 300 मिलियन यानी 30 करोड़ तक पहुंच गई है। यही नहीं 2050 में तो यह 40 करोड़ हो जाएगी। छोटे से देश की इतनी भीषण आबादी बड़ा संकट खड़ा कर सकती है। ऐसी स्थिति इसलिए है क्योंकि पाकिस्तान में प्रजनन दर 3.6 है। यह भारत के मुकाबले दोगुनी है। साउथ एशिया के देशों में किसी भी मुल्क की आबादी बढ़ने की ग्रोथ इतनी अधिक नहीं है। पाकिस्तान के बाद अफ्रीका के मुल्कों में ही आबादी बढ़ने की रफ्तार इतनी तेज देखी जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इतनी भारी आबादी का असर हर सेक्टर पर दिख रहा है। एक तरफ बच्चे कुपोषित हैं तो वहीं उनके बड़े होने पर बेरोजगारी का संकट है। इन्फ्रास्ट्रक्चर और हेल्थकेयर जैसी समस्याएं भी पैदा हो रही है। पाकिस्तान की बढ़ती आबादी के चलते हालात यह हैं कि 5 साल से कम आयु के 40 फीसदी बच्चे कुपोषित हैं। इसके अलावा बच्चों को जन्म देने के दौरान ही 11 हजार माताओं की हर साल मौत हो जाती है।

पाकिस्तान में गर्भ निरोधक उपायों के इस्तेमाल में कमी के चलते भी ऐसी समस्याएं पैदा हो रही हैं। इसकी वजह कुछ लोगों की कट्टरता है और वे गर्भनिरोध का इस्तेमाल नहीं करते। यही नहीं यह कट्टरता बढ़ती आबादी में एक और तरीके से खाज का काम करती है। पोलियो की दवा का विरोध किया जाता है और इसके चलते अकसर पाकिस्तान में पोलियो के केस मिल जाते हैं।

पाक रक्षा मंत्री ने कबूला बोले- सभी उम्मीदें खत्म, तालिबान से रिश्ते कभी ठीक नहीं होंगे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ ने पहली बार खुलकर स्वीकार किया है कि अफगानिस्तान के साथ पाकिस्तान के संबंध अब कभी सामान्य नहीं हो सकते। तालिबान शासन के चार साल बाद भी इस्लामाबाद को मुंह की खानी पड़ रही है और उसकी सारी उम्मीदें ध्वस्त हो चुकी हैं।

एक साक्षात्कार में ख्वाजा आसिफ ने कहा, हमने तालिबान का स्वागत किया था, कई बार काबुल जाकर बात की, लेकिन कुछ हासिल नहीं हुआ। हमें लगा था कि तालिबान हम पर निर्भर रहेंगे और पुराना प्रभाव बना रहेगा, मगर ठीक उलटा हुआ। अब हमारी सारी उम्मीदें खत्म हो चुकी हैं। तालिबान से किसी सकारात्मक बदलाव की कोई गुंजाइश नहीं बची।यह बयान ऐसे समय आया है जब अक्टूबर 2025 से दोनों देशों के बीच सीमा पर गोलीबारी और हवाई हमले चल रहे हैं। तीन दौर की बातचीत बेनतीजा रही क्योंकि पाकिस्तान टीटीपी हमलों की जिम्मेदारी अफगान तालिबान पर डालता रहा। आसिफ ने माना कि तालिबान ने पाकिस्तान की एक नहीं मानी और अब दोनों देशों के रिश्ते सुधारने की संभावना लगभग शून्य हो गई है। पाकिस्तानी सेना और सरकार की नाराजगी की असली वजह तालिबान की स्वतंत्र विदेश नीति है। अफगान मंत्री लगातार भारत आ रहे हैं, दोनों देशों के बीच व्यापार, शिक्षा और कनेक्टिविटी के नए समझौते हो रहे हैं।

आईएएस के बयान का विरोध,सर्व समाज ने कोतवाली में दिया धरना; एफआईआर की मांग

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा द्वारा ब्राह्मण समाज को लेकर दिए गए कथित विवादित बयान का विरोध अब सिंगरौली तक पहुँच गया है। बुधवार को सर्व ब्राह्मण समाज सहित विभिन्न संगठनों ने बैढ़न कोतवाली में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने थाना परिसर में धरना देते हुए संतोष वर्मा के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज करने की मांग की।

ब्राह्मण समाज के कार्यकारी अध्यक्ष अमित द्विवेदी ने वर्मा के बयान को 'अत्यंत निंदनीय' बताया। उन्होंने कहा कि समाज की बेटियों को लेकर ऐसी टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। द्विवेदी ने जोर देकर कहा, 'सिंगरौली में सर्व समाज एकजुट है। जब तक इस मामले में कड़ी कानूनी कार्रवाई नहीं होती, हमारा विरोध जारी रहेगा।

इस विरोध प्रदर्शन में करणी सेना सहित अन्य सामाजिक संगठन भी शामिल हुए। करणी सेना के जिलाध्यक्ष बबलू सिंह ने कहा कि आईएएस अधिकारी होने के बावजूद संतोष वर्मा ने एक विशेष समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने चेतावनी दी कि एफआईआर दर्ज किए बिना धरना समाप्त नहीं किया जाएगा।

साहू समाज के प्रतिनिधियों ने भी प्रदर्शन में शामिल होकर इस बयान की कड़ी निंदा की। संगठन के पदाधिकारियों ने मांग की कि ऐसे अधिकारी को तत्काल बर्खास्त किया जाना चाहिए, जो समाज में विभाजन पैदा करने वाले आपत्तिजनक बयान देते हैं।

प्रदर्शन के दौरान शहर के विभिन्न समुदायों के बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं और वरिष्ठजन उपस्थित रहे। थाना परिसर में नारेबाजी और विरोध के चलते कुछ समय के लिए सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ाई गई थी।

प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से इस मामले को गंभीरता से लेते हुए संतोष वर्मा पर प्रकरण दर्ज करने की मांग की है, अन्यथा आंदोलन को और व्यापक करने की चेतावनी दी गई।

संविधान दिवस हमें अपने देश के संविधान के प्रति सम्मान और श्रद्धा व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है: प्रधान जिला न्यायाधीश

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी श्री प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन एवं अध्यक्षता में संविधान दिवस के अवसर पर बुधवार दिनांक 26 नवंबर को प्रातः 11 बजे जिला न्यायालय परिसर ए.डी.आर. सेन्टर प्रांगण में संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया। उक्त अवसर पर सभी न्यायिक अधिकारी, समस्त लीगल एड डिफेंस काउंसिल व न्यायालयीन कर्मचारीगण, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण उपस्थित रहे। प्रस्तावना का प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर द्वारा वाचन कराया गया। उनके द्वारा सभी को संविधान दिवस की शुभकामना दी गई।

न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर द्वारा संविधान के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि संविधान दिवस हमें हमारे देश के संविधान के महत्व को याद दिलाता है जो हमे समानता, न्याय और स्वतंत्रता के मूल्यों पर आधारित एक लोकतांत्रिक देश बनाता है। यह दिन हमें अपने अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जागरूक करता है और हमे अपने देश के विकास में योगदान करने के लिए प्रेरित करता है। संविधान दिवस हमें अपने देश के संविधान के प्रति सम्मान और श्रद्धा व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। हम सभी संविधान के मूल्यों और आदर्शों को अपने जीवन में लागू करने का संकल्प लें और अपने देश के विकास में योगदान करें। जिला न्यायालय सीधी में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रयाग लाल दिनकर, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय दीपक शर्मा, मनीष कुमार श्रीवास्तव, तृतीय प्रथम जिला न्यायाधीश सीधी के न्यायालय के तृतीय अतिरिक्त जिला न्यायाधीश उर्मिला यादव, सरिता चौधरी, जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक सहित समस्त लीगल एड डिफेंस काउंसिल, अधिवक्तागण व न्यायालयीन कर्मचारीगण, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

डॉक्टर पर सोनोग्राफी के लिए 500 लेने का आरोप, सीनियर डॉक्टर के नेतृत्व में आरोपों की जांच शुरू; स्वास्थ्य विभाग ने टीम गठित की

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिहावल में पदस्थ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रिकेश शर्मा पर सोनोग्राफी के लिए 500 लेने के आरोपों की जांच शुरू हो गई है। स्वास्थ्य विभाग ने इन आरोपों की गंभीरता को देखते हुए एक जांच टीम गठित की है। आज बुधवार से जांच शुरू होगी। इस जांच टीम का नेतृत्व सीनियर डॉक्टर दीपा रानी इसरानी कर रही हैं। टीम में सिहावल के बीएमओ डॉ. रामभूषण पटेल भी शामिल हैं, जो पूरे मामले की बारीकी से जांच करेंगे। बीएमओ डॉ. पटेल ने बताया कि स्थानीय लोगों ने शिकायत की थी कि डॉ. रिकेश शर्मा 500 लेकर सोनोग्राफी कराने की बात कहते हैं। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए रीवा कार्यालय की ओर से जांच टीम बनाई गई है। जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट भेज दी जाएगी।

डॉक्टर नकारते हुए बोले- किसी भी मरीज से कोई शुल्क नहीं लेते: दूसरी ओर, डॉ. रिकेश शर्मा ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को पूरी तरह निराधार और झूठा बताया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह सरकारी अस्पताल में किसी भी मरीज से कोई शुल्क नहीं लेते।

डॉ. शर्मा के अनुसार, उनकी अपनी निजी क्लिनिक है, जहां वह 500 परामर्श शुल्क लेते हैं, जो किसी भी निजी चिकित्सक का वैधानिक अधिकार है। यदि मरीज को सोनोग्राफी की आवश्यकता होती है, तो वह उन्हें सरकारी अस्पताल की निशुल्क सेवा के लिए ही भेजते हैं। सरकारी अस्पताल में पर्ची कटवाना और नंबर लगवाना पूरी तरह से सरकारी प्रक्रिया का हिस्सा है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण में लापरवाही पर दो बीएलओ सस्पेंड,कलेक्टर ने की कार्रवाई; बोले- सर में चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में लापरवाही बरतने पर दो बीएलओ को सस्पेंड कर दिया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर गौरव बैनल ने यह कार्रवाई की। निलंबित होने वालों में विधानसभा क्षेत्र 80 सिंगरौली के मतदान केंद्र क्रमांक 59 गर्दा की प्राथमिक शिक्षक उर्मिला कोल और मतदान केंद्र क्रमांक 249 परसदेही के परसुराम शाह शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, दोनों बीएलओ प्रशिक्षण में गैर-मौजूद थे। उन्हें पहले नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया, लेकिन कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिला। निर्वाचन कार्य की शुचिता प्रभावित होने की आशंका के चलते यह कदम उठाया गया है।

कलेक्टर बोले- चुनाव प्रक्रिया में चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी: कलेक्टर बैनल ने कहा कि निर्वाचन से जुड़ा प्रत्येक कार्य अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण होता है। चुनाव प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने जोर दिया कि मतदाता सूची का सही पुनरीक्षण लोकतांत्रिक व्यवस्था की पारदर्शिता के लिए आवश्यक है।निलंबन अवधि के दौरान, दोनों बीएलओ का मु यालय निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय, विधानसभा क्षेत्र देवसर निर्धारित किया गया है। इस दौरान उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा। जिला प्रशासन ने चुनाव व्यवस्थाओं में लगे सभी कर्मचारियों को चेतावनी दी है कि लापरवाही पाए जाने पर भविष्य में भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

लाई ऐश परिवहन करने वाले आठ ट्रेलर जब्त, परिवहन विभाग ने वाहन मालिकों को जारी की नोटिस

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। लाई ऐश के गलत परिवहन पर दैनिक भास्कर की खबर का असर हुआ है। 24 नवंबर को प्रकाशित रिपोर्ट में बताया गया था कि लाई ऐश का परिवहन निर्धारित मार्गों के बजाय अन्य रास्तों से किया जा रहा था, जिससे सड़क पर राखड़ गिरकर प्रदूषण फैल रहा था और आम जनता को परेशानी हो रही थी। इस मामले के सामने आने के बाद परिवहन विभाग ने कार्रवाई की।

शुक्रवार को परसौना इलाके में जिला परिवहन अधिकारी विक्रम राठौर के नेतृत्व में चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान ऐसे आठ ट्रेलर वाहन जब्त किए गए, जो ओवरलोडिंग के साथ-साथ गलत तरीके से लाई ऐश का परिवहन कर रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि सभी वाहन मालिकों को नोटिस जारी किए गए हैं।

वाहन मालिकों को आवश्यक दस्तावेजों के साथ आरटीओ कार्यालय पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। दस्तावेजों की जांच के बाद उन पर नियमानुसार जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। परिवहन अधिकारी ने स्पष्ट किया कि ओवरलोडिंग न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि इससे सड़क हादसों का खतरा बढ़ता है और वायु प्रदूषण भी फैलता है।विभाग ने यह भी बताया कि भविष्य में भी ऐसे वाहनों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। इसका उद्देश्य आम जनता को राहत प्रदान करना और पर्यावरण को नुकसान से बचाना है।

जिला पंचायत सीईओ द्वारा ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों का निरीक्षण

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सीधी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी द्वारा दिनांक 26 नवंबर को ग्राम पंचायत खतौली एवं ग्राम पंचायत बरमबाबा में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के संबंध में निरीक्षण किया गया। ग्राम पंचायत खतौली में गंगा हरित परियोजना के तहत पौधारोपण हेतु चिन्हित स्थल का निरीक्षण कर सीईओ ने संबंधित तहसीलदार एवं पटवारी को जल्द से जल्द अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। साथ ही एक सप्ताह के भीतर निर्धारित स्थल पर पौधारोपण तथा फेंसिंग कार्य पूर्ण कराने हेतु क्षेत्रीय उपयंत्री को निर्देशित किया गया।

बहूरानी डाटा जुटाने में बीएलओ का उत्कृष्ट कार्य, एसडीएम प्रिया पाठक ने 15 बीएलओ को सम्मानित किया; टीमवर्क की मिसाल

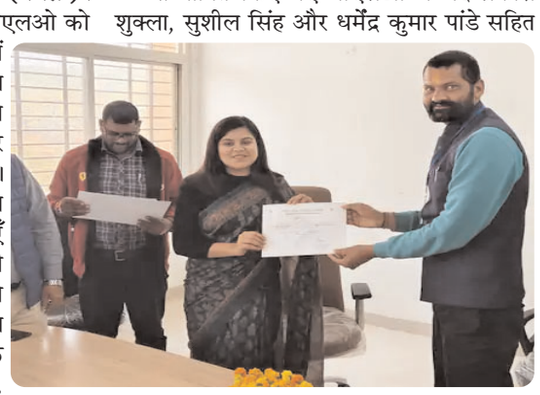

मीडिया ऑडिटर, सीधी, (निप्र)। सिहावल जनपद पंचायत क्षेत्र के 15 बीएलओ को बुधवार को तहसील कार्यालय बहरी में उत्कृष्ट कार्य के लिए स मानित किया गया। एसडीएम सिहावल प्रिया पाठक ने सभी बीएलओ को माला पहनाकर और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर स मानित किया। हालिया सर्वे में बहुओं का डाटा एकत्रित करना एक बड़ी चुनौती थी। कई बहुएँ अपने मायके में थीं, जिससे उनकी आधारभूत जानकारी जुटाना मुश्किल हो रहा था। बीएलओ ने इस समस्या का समाधान बहुओं के मायके वालों के बीएलओ से फोन पर संपर्क कर किया, जिससे सटीक और अद्यतन जानकारी प्राप्त हुई।

इस अभियान में सामुदायिक सहयोग भी देखने को मिला। जिन घरों में जानकारी देने के लिए कोई मौजूद नहीं था, वहां पड़ोसियों ने आगे बढ़कर मदद की। इस टीमवर्क और सामुदायिक सहयोग ने सर्वे कार्य को सुचारु रूप से संपन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सम्मानित किए गए बीएलओ में वेद प्रकाश शुक्ला, सुशील सिंह और धर्मेंद्र कुमार पांडे सहित कुल 15 कर्मचारी शामिल थे। एसडीएम प्रिया पाठक ने सभी की सराहना करते हुए कहा, 'हमारे क्षेत्र में चुनौतियाँ कम नहीं हैं। कई लोग मजदूरी के लिए दूसरे राज्यों में चले गए हैं, ऐसे में उनका डाटा जुटाना आसान नहीं था। लेकिन टीम के सभी बीएलओ ने मिलकर इस कठिन कार्य को उत्कृष्ट तरीके से पूरा किया।

नगर पालिका बैठक में हेलमेट पहनकर पहुंचे बीजेपी पार्षदबोले- पहले की मीटिंग में पानी की बोतलों से हमला हुआ था, हम डर में हैं

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। नगर पालिका परिषद की बुधवार को हुई बैठक में भाजपा के पांच पार्षद मारपीट की आशंका के चलते हेलमेट पहनकर सभागृह में पहुंचे। उन्होंने इसे अपना सांकेतिक विरोध बताया। हेलमेट पहनने वाले पार्षदों में पूनम सोनी, बाबूलाल, आनंद परियानी, जमुना कोल और जायसवाल शामिल थे। बैठक शुरू होने से पहले ही इन पार्षदों को हेलमेट पहने देखकर अधिकारी, कर्मचारी और अन्य जनप्रतिनिधि हैरान रह गए। यह घटना पूरे परिषद परिसर में चर्चा का विषय बन गई।

पहले की मीटिंग में हिंसक माहौल बना था: भाजपा पार्षदों ने बताया कि पिछली कुछ बैठकों में जिस तरह का तनावपूर्ण और हिंसक माहौल बना था, वह चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि विरोध स्वरूप और अपनी सुरक्षा के लिए वे हेलमेट पहनकर बैठक में शामिल हुए हैं। पार्षदों के अनुसार, अब परिषद की बैठकों में भी सुरक्षा उपकरणों की आवश्यकता पड़ने लगी है, जो एक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है।

पहले पानी की बोतलों से भी हमला हुआ था: करीब डेढ़ महीने पहले हुई परिषद की एक बैठक में पार्षद दान बहादुर सिंह और आनंद सिंह के बीच तीखी बहस हुई थी। यह बहस इतनी बढ़ गई थी कि हाथापाई हुई और पानी की बोतलों से भी हमला किया गया था।

यातायात पुलिस ने की स्कूली वाहनों की जांच, 5 वाहन जब्त; 19 हजार रुपए का जुर्माना वसूला

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शहडोल यातायात पुलिस ने बुढ़ार, धनपुरी और अमलाई क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाया। इस दौरान सुरक्षा मापदंडों और परिवहन विभाग के नियमों का उल्लंघन करते पाए गए पांच स्कूली वाहनों पर कार्रवाई की गई, जिनसे कुल 19 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। औचक जांच के दौरान, यातायात पुलिस टीम ने पाया कि कई निजी स्कूलों द्वारा संचालित वाहन न तो अधिकृत स्कूली पंजीकरण में थे और न ही आवश्यक सुरक्षा मानकों का पालन कर रहे थे। कुछ वाहनों में सुरक्षा उपकरण गायब थे, जबकि कुछ चालकों के पास अनिवार्य दस्तावेज नहीं थे। नियमों का उल्लंघन करने वाले इन वाहनों को अमलाई थाने में खड़ा कराकर उनके दस्तावेजों की बारीकी से जांच की गई।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बच्चों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यातायात पुलिस ने बताया कि यह जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सड़क निर्माण श्रमिक की मौत, बाइक की टक्कर से हादसा, परिजनों ने अस्पताल में किया हंगामा

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। खुटार-रजमिलान मार्ग पर सड़क मर मत कार्य के दौरान एक श्रमिक की बाइक की टक्कर से मौत हो गई। यह हादसा आज सुबह करीब 9 बजे हुआ, जिसमें बाइक चालक भी गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, बिरहा निवासी 35 वर्षीय पवन शाह सड़क निर्माण कार्य में लगे हुए थे। तभी तेज र तार से आ रहे 30 वर्षीय बाइक चालक गणेश शाह ने उन्हें टक्कर मार दी। दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसके बाद उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया। उपचार के दौरान पवन शाह ने दम तोड़ दिया। गंभीर रूप से घायल बाइक चालक गणेश शाह को बेहतर इलाज के लिए रीवा रेफर कर दिया गया है। मृतक के परिजनों को हादसे की सूचना देर से मिलने पर उन्होंने अस्पताल में हंगामा किया। मृतक की रिश्तेदार अनीता शाह ने आरोप लगाया कि पुलिस ने बिना सूचना दिए पवन शाह को ट्रॉमा सेंटर पहुंचा दिया था।

कॉलेज में फर्स्ट, सेकेंड-थर्ड ईयर की फीस 2 हजार बढ़ी: छात्रों ने आदेश वापस लेने किया प्रदर्शन; बोले- एक्स्ट्रा ली गई राशि लौटाई जाए

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। जिले के बुढार स्थित पीएम एक्सीलेंस कॉलेज में प्रवेश फीस बढ़ोतरी और शैक्षणिक-प्रशासनिक अव्यवस्थाओं के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने प्रदर्शन किया। छात्रों ने बुधवार को 23 मांगों को लेकर आवेदन सौंपा। जिसमें 15 दिनों के भीतर समस्याओं का समाधान न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी गई है। छात्रों ने कहा कि प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष की प्रवेश फीस में अचानक 1900 से 2000 रुपए तक बढ़ा दी गई, जिसकी छात्रों को कोई पूर्व सूचना नहीं दी गई। इस आदेश को वापस और छात्रों से वसूली गई अतिरिक्त राशि लौटाई जाए।

इन समस्याओं को लेकर छात्रों ने किया प्रदर्शन: शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय की यूजी प्रथम वर्ष की परीक्षाएं अगस्त में हो चुकी हैं, लेकिन उनके परिणाम अब तक जारी नहीं हुए हैं। इसके अतिरिक्त, एपीएस विश्वविद्यालय की मार्कशीट भी लंबित पड़ी है। गर्ल्स कॉमन रूम को कंप्यूटर रूम में बदल दिया गया है, जिसे आज तक फिर से स्थापित नहीं किया गया। सैनिटरी वेंडिंग मशीन नहीं लगी है, उसे लगाया जाए। स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था, वॉशरूम और क्लासरूम की नियमित सफाई की जाए। इसके साथ ही, लाइब्रेरी में नई शिक्षा नीति के अनुरूप पर्याप्त किताबें और ई-लाइब्रेरी शुरू की जाए। सीसीटीवी कैमरे न होने के कारण बाहरी लोगों की आवाजाही और विवाद की स्थिति बनी रहती है। ड्रेस कोड का कड़ाई से पालन हो और गेट पर एंट्री रजिस्टर की व्यवस्था लागू की जाए। वाहन पार्किंग की अव्यवस्था, अधूरे पार्किंग शेड निर्माण और नीची बाउंड्री वॉल ठीक की जाए। बाउंड्री पर तार की जाली लगाने का पूर्व आश्वासन अब तक पूरा नहीं किया गया है।

एन सी सी-एनएसएस गतिविधियों पर भी सवाल उठाए: छात्रों ने कहा कि एक ही सेट बैंड होने से कार्यक्रमों में समस्या होती है। ह्स्स् की तीन यूनिट के 300 छात्रों के लिए समान ड्रेस कोड लागू करने और ट्रैकसूट उपलब्ध कराने की मांग की गई। इसके अलावा फील्ड विजिट दोबारा शुरू करने, बॉटनिकल गार्डन निर्माण, गर्ल्स हॉस्टल आवंटन और समय-सारणी का बड़ा बैनर लगाने जैसी मांगें भी शामिल हैं। ज्ञापन सौंपने वालों में विभाग संगठन मंत्री सावन सिंह, विभाग संयोजक अखिलेश सिंह, छात्रा प्रमुख अंजली पांडेय, अमन त्रिपाठी, अजय सिंह बैंस, ऋतुराज द्विवेदी, अनुराग गुप्ता, राशी मिश्रा, सृष्टि सिंह, आयुष सेन, निश्चय साहू सहित बड़ी संख्या में छात्र मौजूद रहे।

नाम सुधार सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं नरेश कुमार कछवाहा पिता श्री बाबूलाल कछवाहा उम्र 47 वर्ष, पेसा थोक व्यापार आधार नं. 264999151868, निवासी वार्ड क्रमांक 21 धोबिया टंकी साहू मोहल्ला रीवा थाना सिटी कोतवाली जिला रीवा (म.प्र.) यह कि मेरी बेटी का सही नाम आशी कछवाहा व नाम की स्पेलिंग AASHI KACHHWAHA दर्ज है जो कि सही व सत्य है। अतः आज दिनांक से मेरे तथा मेरी बेटी के समस्त दस्तावेजों में मेरी बेटी का नाम रैन्सी कछवाहा की जगह सही नाम आशी कछवाहा स्पेलिंग AASHI KACHHWAHA लिखा पढ़ा व जाना जाए।

नरेश कछवाहो

'ही मैन' दिवंगत नहीं

संपादकीय

आम आदमी का सुपर स्टार, खूबसूरती का प्रतीक, यूनानी देवता-सा, दिलीप कुमार का 'ही मैन', शबाना आजमी का 'बहुमूल्य मर्द', जिंदा दिल इनसान, दयालु, ईमानदार, मिलनसार और मददगार आत्मा का प्राणीऐसे शख्स का अंत कैसे हो सकता है? वह दिवंगत कैसे हो सकता है? उसके कला-युग का अध्याय समाप्त कैसे माना जा सकता है? बेशक धर्मेन्द्र का पार्थिव शरीर अब हमारे बीच टहलता-घूमता दिखाई न दे, लेकिन 300 से अधिक फिल्मों में उन्होंने जो किरदार निभाए हैं, वे तो अजर, अमर, अनंत हैं। उन्हें दिवंगत कौन और कैसे कर सकता है? धर्मेन्द्र उस दौर में फिल्मों में आए, जब दिलीप कुमार, राजकपूर, देवानंद, राजकुमार आदि अभिनेताओं का वर्चस्व था। लोग उनके अभिनय के कायल थे। वे जीवंत कथानक थे, जिनके इर्द-गिर्द फिल्में बुनी जाती थीं। धरम जी ने उनके बीच 'बंदिनी', 'सत्यकाम', 'अनुपमा', 'फूल और पत्थर' सरीखी फिल्मों के जरिए अपना स्थान बनाया। धर्मेन्द्र को नाचना नहीं आता था अथवा यूं कहा जाए कि उनके नृत्य की शैली और अंदाज निराले थे। लगभग अमिताभ बच्चन की तर्ज परज! देश के आम आदमी और दर्शक ने उसी रूप में धर्मेन्द्र को स्वीकार किया, मान्यता दी और सुपर स्टार बनाया। राजेश खन्ना बॉलीवुड के प्रथम सुपर स्टार घोषित किए गए। धर्मेन्द्र तब भी प्रासंगिक बने रहे। छह दशकों से लंबे करियर में उन्होंने 32 फिल्में स्वर्ण जयंती और 107 फिल्में रजत जयंती वाली दीं। यानी एक साथ 25 और 50 सप्ताह फिल्म, एक ही थियेटर में, चला करती थी। आज वह चलन और स्थायित्व लगभग समाप्त हो चुका है। अमिताभ बच्चन के 'यंग एंग्रीमैन' का जादू सिने दर्शकों पर छाने लगा था, तो वह 'सदी के महानायक' बन गए, लेकिन आम आदमी और दर्शकों के महानायक, सही मायनों में, धर्मेन्द्र ही बने रहे। उनके अभिनय और किरदारों के आयाम इतने व्यापक और विविध थे कि क्या ऐसा कलाकार कभी दिवंगत हो सकता है? धर्मेन्द्र ने परदे पर 10-15 गुंडों की एक साथ धुनाई की, तो वह यथार्थ लगा। दर्शक को एहसास होता था कि 'ही मैन' ऐसी पिटाई कर सकता है।उन्होंने संजीदा भूमिकाएं भी निभाई और आंखों में आंसू भी दिखे। वह आशिक मिजाज भी थे, लिहाजा उनके रोमांटिक किरदार भी प्रेम करते लगते थे। धरम जी कई बार 'इंडियन आइडल' के मंच पर आए। उस दौरान उनका शायराना किरदार भी सामने आया। धर्मेन्द्र की कॉमेडी बड़ी सहज, सरल, गुदगुदा देने वाली होती थी। इस संदर्भ में कोई भी ऋषिकेश दा' की फिल्म 'चुपके-चुपके' के परिमल त्रिपाठी को भूल नहीं सकता। यकीनन धर्मेन्द्र का फिल्मी करियर बहुआयामी था।

समय के महत्व को समझें और अपनी महत्वकाक्षांओं को पूरा करें

नरेन्द्र भारती

समय के महत्व को समझें और अपनी महत्वकाक्षांओं को पूरा करें। समय एक अनमोल पूंजी है। समय को जिसने भी बरबाद किया समय ने उसे भी बरबाद कर दिया। समय किसी का इंतजार नहीं करता। समय का सदुपयोग करोगे तो सफलता हासिल करोगे अगर समय का दुरुपयोग किया तो धराशायी हो जाओगे। वक्त का पहिया जब घूमता है तो कंगाल होने में देर नहीं लगती। मानव को हमेशा अतीत का आईना देखते रहना चाहिए ताकि अहसास होता रहे कि ऐसे भी दिन थे दिन एक जून की रोटी नसीब नहीं होती थी आज जब समय बदला तो अपना गुजरा हुआ वक्त भूल रहा है। आदमी भले ही कितना बड़ा बन जाए अतीत की परछाईयां उसका दामन नहीं छोड़ती मरते दम तक साथ रहती हैं। । वक्त बदलते देर नहीं लगती भाग्य किसी को भी अर्श पर ले जाता है और किसी को फर्श पर ले जाता है इसलिए मानव को मर्यादा में रहकर ही हर काम करना चाहिए। आदमी को किसी के साथ भी धोखा नहीं करना चाहिए। किसी के साथ विश्वासघात नहीं करना चाहिए। क्योंकि एक बार विश्वास टूट जाता तो फिर से कायम कर पाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे मानव का जीवन व्यर्थ है जो दूसरों को दुख देता है। समय के पास सबका लेखाजोखा है। मानव को समय से डरना चाहिए न जाने कब कैसा समय देखना पड़े। समय का मिजाज पता नहीं कब बदल जाए। समय ने बड़े से बड़े तानाशाहों को धूल चटा दी जो समय के खिलाफ चले थे मिटटी में मिल गए। आज मानव के पास अच्छा करने का समय ही नहीं है जबकि बुरा करने के लिए समय ही समय है। मानव कितन भी अमीर हो जाए अपना गुजरा हुआ समय नहीं खरीद सकता। आज लोग मोबाईल फोन पर समय बरबाद कर रहे है। चौबीसों घंटे सोशल मीडिया पर व्यस्त रहते है। समय की जिसने कदर की समय ने उसे उचाईयां दी है। मानव को चाहिए कि समय के हर एक मिनट और सैकंड व घंटों का सही सदुपयोग करे। जो समय के साथ निर्बाध गति से चला समय ने उसे मंजिल तक पहुंचाया है। समय से डरो अच्छे कर्म करो। जीवन में हम अनेक सुख-दुख देखते है,परन्तु क्या हमने किसी और के लिए कुछ करने के बाद सच्चे सुख की अनुभूति की है दूसरों को अपनी सामर्थ्य के अनुसार दीजिए, खासकर उन्हे जो अनेक चीजों से वंचित ही रहे या जिन्हे दुख के सिवाय कुछ भी नहीं मिला। आप महसूस करेगें कि परोपकार का काम करने के बाद आपके होंठों पर आई मुस्कराहट दुनियाभर की दौलत से भी मंहगी होगी। समय मानव को कई रंग दिखाता है। समय -समय पर मानव की परीक्षा लेता रहता है। समय का सही मायने में सम्मान करो। समय अनमोल है व दुर्लभ है। सुख में तो सभी साथ होते है मगर दुख में साथ छोड देते है ,आदमी आज गिरगिटों की तरह रंग बदलता है। आज मानव मतलब निकल जाने पर पहचानने से इन्कार कर देता है। आज मानव ने भले ही कितनी प्रगति कर ली है मगर सोच वही सामंतवादी है। पैसा ही सब कुछ नहीं होता मगर आज रिश्ते तराजू पर तोले जाते है अगर कोई गरीब है तो उसके साथ भेदभाव किया जाता है। वक्त बदलते देर नही लगती इसलिए आदमी को अपना अतीत याद करते रहना चाहिए। ताकि विपतीयो का अहसास होता रहे। आदमी को सादगी व उच्च विचारों मे विश्वास रखना चाहिए। समय यही सिखाता है कि किसी का समय बरबाद मत करो। समय कीमती है जिसने समय की कीमत जान ली है वह हर जगह सफल होता है। आज अच्छाई के लिए समय नहीं है। बुराई के लिए हर समय तैयार है। समय एक जैसा नहीं रहता आज अच्छा है कल का पता नहीं होगा। समय को पहचानो तभी समय आपको एक अलग पहचान देगा। समय रेत की तरह हर पल फिसल रहा है समय को बांधा नहीं जा सकता यह अटल सत्य है। समय बहुत ही बलवान है वक्त के थपेडों से कोई नहीं बच पाया है। समय के पाबंद बने। अगर समय के साथ नहीं चलोगें तो पिछड़ जाओगें। समय का प्रबंधन करें। समय सारणी बनाएं और हर पल का फायदा उठाएं। समय का सदुपयोग करें और अपने जीवन को खुशहाल बनाएं। समय सबसे बड़ा गुरु है।

प्रयागराज का माघ मेला सदियों से भारतीय आध्यात्मिक परंपरा का जीवंत प्रतीक रहा है। पौष पूर्णिमा से लेकर महाशिवरात्रि तक चलने वाला यह पर्व गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के पावन संगम पर करोड़ों श्रद्धालुओं को एक साथ जोड़ता है।2026 का माघ मेला विशेष रूप से उल्लेखनीय होने वाला है क्योंकि इसकी तैयारियाँ महाकुंभ जैसी विशालता के स्तर पर की जा रही हैं। अनुमान है कि इस बार मेले में करीब 15 करोड़ श्रद्धालु स्नान के लिए पहुंचेंगे। योगी आदित्यनाथ सरकार ने इसकी तैयारियों को समय से पहले शुरू करते हुए यह सुनिश्चित किया है कि 2024 से अधिक भव्य, सुरक्षित और सुव्यवस्थित मेला 2026 में दिखाई दे।

महाकुंभ की तर्ज पर आस्था का महामहोत्सव माघ मेले की तैयारियां जोरो पर

कांतिलाल मांडोत

प्रशासनिक समीक्षा भी 15 दिन पहले ही शुरू कर दी गई है, ताकि किसी प्रकार की कमी न रहे। 2026 का माघ मेला क्यों खास होगा मेले का आकार और अपेक्षित भीड़ की वजह से व्यवस्था चाकचौबंद होगी।2026 का माघ मेला आने वाले वर्षों में महाकुंभ की तैयारियों का आधार बनेगा।

अनुमानित भीड़ 15 करोड़ से अधिक हो सकती है।मुख्य स्नान मौनी अमावस्या, वसंत पंचमी, माघ पूर्णिमा आदि अवसर के मौके पर श्रद्धालु विशेष लाभ अर्जित कर सकते है।देश ही नहीं, विदेशों से भी लाखों साधु, संत, श्रद्धालु और पर्यटक का आगमन होगा।

2024 के मुकाबले 2026 में अधिक भीड़ और बेहतर व्यवस्थाओं की चुनौती प्रशासन के सामने है। इसलिए पहले से तैयारी पर जोर दिया गया है। सनातन संस्कृति के प्रति उत्साह माघ मेले की आध्यात्मिक पहचान प्रयागराज के मेले में हर वर्ष दिखने वाली सनातन संस्कृति की जीवंत छटा 2026 में और व्यापक रूप से दिखाई देगी।योग, साधना और तप की परंपराअखाड़ों की शोभायात्राएँ

संतों की प्रवचन श्रंखलाएँ

गंगा आरती की दिव्यता

पुराण, वेद और संत साहित्य पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।माघ मेला केवल स्नान नहीं, बल्कि भारतीय आध्यात्मिकता का विश्वपटल पर प्रदर्शन भी है। 2026 के लिए सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों की रूपरेखा पहले से तय की जा रही है।स्नान की व्यवस्था जलस्रोतों की प्रचुरता से और सुगम होगी।

संगम क्षेत्र में जल उपलब्धता रहेगी।इस बार संगम और मेले के क्षेत्र में पानी की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए 10 हजार क्यूसेक से लेकर 19 हजार क्यूसेक तक पानी छोड़ा जाएगा।

10,000 क्यूसेक मेला क्षेत्र की सामान्य जल-धारा को सुचारु रखने के लिए उपलब्ध किया जाएगा।19,000 क्यूसेक पानी मुख्य पर्व स्नानों पर बढ़ती भीड़ को देखते हुए उपलब्ध कराया जाएगा।इससे स्नान करने वाले श्रद्धालुओं को न केवल स्वच्छ पानी मिलेगा बल्कि तटों पर भी भीड़ का प्रबंधन आसान होगा। 'नमामि गंगे' के माध्यम से गंगा की निर्मलता को प्राथमिकता दी जाएगी।गंगा की स्वच्छता माघ मेले का आधार है। सरकार का प्रमुख लक्ष्य है कि स्नानार्थियों को स्वच्छ, निर्मल और निरंतर प्रवाहित जल मिले। नमामि गंगे परियोजना के तहतनालों का ट्रीटमेंट,गंदे पानी को गंगा में जाने से रोकना और जैविक कचरे का वैज्ञानिक निपटान किया जाएगा।

कचरा प्रबंधन के लिए अतिरिक्त टीमें कार्यरत होगी।मशीनों की संख्या दोगुनी बढ़ाने की योजना है।इस बार स्वच्छता अभियान को 24म7 निगरानी में रखने की तैयारी है ताकि मेले की छवि विश्वस्तर पर और बेहतर हो।

बिजली और प्रकाश की अभूतपूर्व व्यवस्था होगी।

पिछले मेलों की तुलना में 2026 में बिजली की व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी।

मेला क्षेत्र में 24 घंटे बिजली आपूर्ति होगी। एलईडी हाईमास्ट और सोलर टावर बैकअप जनरेटर और मुख्य स्नान दिनों पर अतिरिक्त बिजली लाइनें की प्रचुर मात्रा में उपलब्धता होगी।रात में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था से मेले की सुरक्षा और सुविधा दोनों में वृद्धि होगी। सुरक्षा व्यवस्था योगी सरकार की प्राथमिकता रहेगी।हर बड़े आयोजन की तरह सुरक्षा इस बार भी सबसे अधिक महत्वपूर्ण मुद्दा है। सुरक्षा का बहुस्तरीय ढांचा24 घंटे सक्रिय कंट्रोल रूम,साइबर मॉनिटरिंग

ड्रोन कैमरे सीसीटीवी का व्यापक नेटवर्कऔर महिला सुरक्षा के लिए पिंक बूथ की व्यवस्था की जाएगी।भीड़ प्रबंधन के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमेंअलर्ट रहेगी। जल पुलिस की तैनाती भी होगी ।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की है और किसी प्रकार की चूक न हो, इसके निर्देश भी दिए हैं।

सड़क, पुल, और कनेक्टिविटी की प्रचुरता होगी। बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार किया जा रहा है ।160 किमी की चकर्ड प्लेट सड़क,लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) द्वारा 2026 के माघ मेले के लिए 160 किलोमीटर लंबी चकर्ड प्लेट सड़क बिछाई जाएगी।कीचड़-मुक्त आवागमन भारी वाहनों के लिए मजबूत सतह,आपातकालीन स्थितियों में त्वरित आवाजाही औरश्रम और समय की बचत होगी।

नया सड़क नेटवर्क फोर-लेन और सिक्स-लेन मार्ग उपलब्ध होगा।पार्किंग से मुख्य क्षेत्र तक कनेक्टिविटी औरपब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए विशेष रूटनिश्चित किये गए है।बैरिकेडिंग और सिग्नलिंग की उन्नत व्यवस्था होगी।

रेलवे और बस सेवाएँ

भारतीय रेलवे अतिरिक्त ट्रेनें चलाएगा। बसों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी ताकि श्रद्धालु बिना परेशानी के मेले में पहुंच सकें। प्रवास और आवास की नयी व्यवस्थाएँ उपलब्ध की जाएगी।भारी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सरकार निम्नलिखित सुविधाएँ विकसित कर रही है।विशाल टेंट सिटी

साधुओं और अखाड़ों के लिए विशेष क्षेत्र,प्रवासी भारतीयों के लिए अलग सेक्टर,आधुनिक शौचालय और स्नानघर और पेयजल की निरंतर आपूर्ति की जाएगी।

महिला और वरिष्ठ नागरिक केंद्र भी खोले जाएंगे।इस बार टेंट सिटी को और विस्तृत और आधुनिक रूप दिया जाएगा।

तकनीक का व्यापक उपयोग होगा।2026 के माघ मेले में डिजिटल सुविधाओं का दायरा बढ़ाया जा रहा है।मोबाइल ऐप मार्गदर्शन, लोकेशन, भीड़ अपडेटवाई-फाई हॉटस्पॉट क्यूआर कोड आधारित जानकारी

ऑनलाइन खोया-पाया प्रणाली

रियल-टाइम भीड़ मॉनिटरिंग होगी।तकनीक के माध्यम से श्रद्धालुओं को हर सुविधा कुछ क्लिक पर उपलब्ध होगी।स्वास्थ्य सेवाएँ भी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होगीं। मेले के हर कोने में चिकित्सा सुविधा,मेले में स्वास्थ्य सेवाओं को इस बार विशेष रूप से मजबूत किया जा रहा है।मोबाइल एंबुलेंस24 घंटे उपलब्ध डॉक्टर प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रदवाइयों का पर्याप्त भंडार पानी और भोजन की गुणवत्ता की निगरानी हीटिंग सिस्टम और ठंड से बचाव के उपायआपदा प्रबंधन टीमों को भी पहले से प्रशिक्षित किया जा रहा है। सफाई और कचरा प्रबंधन शून्य प्रदूषण का लक्ष्य होगा।माघ मेला एक पर्यावरण-संवेदी आयोजन है। 2026 में लक्ष्य है।

स्वच्छ संगम, स्वच्छ मेला इसके लिए रोजाना लाखों लीटर कचरा निपटान की तैयारी कचरा उठाने के लिए स्मार्ट गाड़ियाँजैविक और अजैविक कचरे का अलग प्रबंधनहै।

नदी किनारे सफाई टीमें तैनात होगी।टेंट शहर में विशेष निगरानीकी जाएगी।

योगी आदित्यनाथ की समीक्षा और प्रशासनिक प्रतिबद्धता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समीक्षा बैठक में कहा किमाघ मेला उत्तर प्रदेश की पहचान है।

इसमें किसी भी प्रकार की खामी नहीं रहनी चाहिए।सभी विभाग समय से कार्य पूरा करें।सुरक्षा, स्वच्छता और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है।समय से 15 दिन पहले समीक्षा इसलिए कि कोई कार्य अधूरा न रहे।उनके नेतृत्व में 2026 का मेला अब तक का सबसे भव्य, अनुशासित और व्यवस्थित होने की ओर अग्रसर है। आर्थिक और पर्यटन वृद्धि का बड़ा अवसर है।

माघ मेला न केवल आध्यात्मिक आयोजन है, बल्कि स्थानीय व्यापार ,पर्यटन,होटल उद्योग

परिवहन,हस्तशिल् सभी के लिए बड़ा अवसर लेकर आता है। अनुमान है कि 2026 में मेला हजारों करोड़ रुपये की आर्थिक गतिविधि को बढ़ावा देगा। अंतरराष्ट्रीय छवि विश्व आकर्षण का केंद्र रहेगा।विदेशों से श्रद्धालुओं, पर्यटकों और पत्रकारों का आगमन माघ मेले की वैश्विक पहचान को बढ़ाता है।2026 में विदेशी प्रतिनिधिमंडल अंतरराष्ट्रीय मीडिया सांस्कृतिक पर्यटन टीमविभिन्न दूतावासों के प्रतिनिधि सबकी उपस्थिति इसे विश्व पटल पर अधिक प्रतिष्ठित बनाएगी।

2026 का माघ मेला महज धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक शक्ति और प्रशासनिक क्षमता का अद्भुत संगम होगा।महाकुंभ की तर्ज पर की जा रही तैयारी, 15 करोड़ श्रद्धालुओं के स्वागत की अभूतपूर्व योजना, सड़क, सुरक्षा, जल व्यवस्था, स्वच्छता और तकनीकी नवाचार सब मिलकर इसे ऐतिहासिक बनाएँगे।भारतीय सनातन संस्कृति की जीवंत धारा का यह मेला आने वाले दशकों तक एक उदाहरण बनकर रहेगा।

भारतीय परपराओं का अनुपालन कर हमें संयुक्त परिवारों को बचाना होगा

भारत की आर्थिक प्रगति को रोकने, कम करने अथवा प्रभावित करने के उद्देश्य से दरअसल, चार शक्तियों ने हाथ मिला लिए हैं। ये चार शक्तियां हैं, कट्टरवादी इस्लाम, प्रसारवादी चर्च, सांस्कृतिक मार्क्सवाद एवं वैश्विक बाजार शक्तियां। हालांकि उक्त चारों शक्तियों की अन्य देशों में आपसी लड़ाई है परंतु भारत के मामले में यह एक हो गई हैं और भारत में यह आपस में मिलकर भारत के हितों के विरुद्ध कार्य करती हुई दिखाई दे रही हैं।

प्रहलाद सबनानी

इसी संदर्भ में आज वैश्विक स्तर पर भारत के विरुद्ध कई झूठे विमर्श भी गढ़े जा रहे हैं। हाल ही के समय में इस प्रक्रिया ने कुछ रफ्तार पकड़ी है। विमर्श के माध्यम से जनता के मानस को प्रभावित करने का प्रयास किया जाता है। विमर्श सत्य, अर्द्धसत्य अथवा झूठ भी हो सकता है। भारत के बारे में पूरे विश्व में धारणा है कि यहां आध्यात्मिकता की पराकाष्ठा रही है। परंतु, अब पूरे विश्व में विशेष रूप से भारत के संदर्भ में पुराने विमर्श टूट रहे हैं और नित नए विमर्श गढ़े जा रहे हैं। भारत चूंकि, हाल ही के समय में वैश्विक स्तर पर एक मजबूत आर्थिक ताकत बन कर उभर रहा है, भारत की यह प्रगति कुछ देशों को रास नहीं आ रही है एवं यह सभी मिलकर भारत के सम्बंध में झूठे विमर्श गढ़ रहे हैं।

पश्चिमी विचारधारा में उत्पादों के अधिकतम उपभोग को जगह दी गई है। आज को अच्छी तरह से जी लें, कल किसने देखा है, यह पश्चिमी सोच, चर्च की प्रेरणा एवं भौतिकवाद पर आधारित है। इस्लाम एवं ईसाईयत में पुनर्जन्म पर विश्वास नहीं किया जाता है। जो कुछ भी करना है वह इसी जन्म में करना है। इसके ठीक विपरीत भारतीय सनातन संस्कृति पुनर्जन्म में विश्वास करती है इससे भारतीय नागरिकों द्वारा उपभोग में संयम बरता जाता है एवं उत्पादन में बहुलता होने की विचारधारा पर कार्य करते हुए दिखाई देते हैं। ईश्वर से प्रार्थना की जाती है कि ÷प्रभु इतना दीजिए कि मैं भी भूखा ना रहूं और अन्य कोई भी भूखा ना सोय÷, यह भारतीय विचारधारा है।

भारतीय सनातन संस्कृति की विचारधारा के ठीक विपरीत आज वैश्विक बाजार शक्तियां भारत में भी उपभोक्तावाद को फैलाने का प्रयास कर रही हैं। विशेष रूप से दीपावली एवं रक्षाबंधन जैसे शुभ त्यौहारों के अवसर पर ÷कुछ मीठा हो जाए÷ जैसे विज्ञापन देकर यह विमर्श खड़ा करने का प्रयास किया जाता है कि भारतीय मिठाईयों एवं व्यंजनों जैसे जलेबी, इमरती तथा दूध एवं खोए से बनी मिठाईयां खाने से मधुमेह का रोग हो जाता है, अतः सदियों से भारत में उपयोग हो रहे इन स्वादिष्ट व्यंजनों के स्थान पर केडबरी चाकलेट अधिक स्वास्थ्यवर्धक है, जिसका अधिक उपयोग करना चाहिए। इस प्रकार, भारी भरकम राशि खर्च कर, विदेशी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा निर्मित मीठे पदार्थों को, विभिन्न विज्ञापनों के माध्यम से भारतीय समाज के मानस पर उतारने का प्रयास किया जाता है। साथ ही, विभिन्न भारतीय त्यौहारों के समय वैश्विक बाजार शक्तियों द्वारा यह भी कह कर कि, ÷दीपावली के शुभ अवसर पर जलाए जाने वाले फटाके पर्यावरण का नुक्सान करते हैं÷; ÷होली पर्व पर भारी मात्रा में पानी की बर्बादी की जाती है÷; ÷महाशिवरात्रि पर्व पर दूध की बर्बादी की जाती है÷; ÷माई बॉडी माई चोईस÷; ÷हमको भारत में रहने में डर लगता है÷; आदि विमर्श स्थापित करने का प्रयास किया जाता है। कुल मिलाकर पश्चिमी देशों द्वारा आज भारतीय सनातन संस्कृति पर आधारित हिन्दू परम्पराओं पर लगातार प्रहार किए जा रहे हैं।

भारतीय सनातन संस्कारों के अनुसार भारत में कुटुंब को एक महत्वपूर्ण इकाई के रूप में स्वीकार किया गया है एवं भारत में संयुक्त परिवार इसकी परिणती के रूप में दिखाई देते है। परंतु, पश्चिमी आर्थिक दर्शन में संयुक्त परिवार लगभग नहीं के बराबर ही दिखाई देते हैं एवं विकसित देशों में सामान्यतः बच्चों के 18 वर्ष की आयु प्राप्त करते ही, वे अपना अलग परिवार बसा लेते हैं तथा अपने माता पिता से अलग मकान लेकर रहने लगते हैं। इस चलन के पीछे संभवत आर्थिक पक्ष इस प्रकार जुड़ा हुआ है कि जितने अधिक परिवार होंगे उतने ही अधिक मकानों की आवश्यकता होगी, कारों की आवश्यकता होगी, टीवी की आवश्यकता होगी, फ्रिज की आवश्यकता होगी, आदि। लगभग समस्त उत्पादों की आवश्यकता इससे बढ़ेगी जो अंततः मांग में वृद्धि के रूप में दिखाई देगी एवं इससे इन वस्तुओं का उत्पादन बढ़ेगा। ज्यादा वस्तुएं बिकने से बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की लाभप्रदता में भी वृद्धि होगी। कुल मिलाकर इससे आर्थिक वृद्धि दर तेज होगी। विकसित देशों में इस प्रकार की मान्यताएं समाज में अब सामान्य हो चलीं हैं। अब बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भारत में भी प्रयासरत हैं कि किस प्रकार भारत में संयुक्त परिवार की प्रणाली को तोड़ा जाय ताकि परिवारों की संख्या बढ़े एवं विभिन्न उत्पादों की मांग बढ़े और इन कम्पनियों द्वारा निर्मित उत्पादों की बिक्री बाजार में बढ़े। इसके लिए बहुराष्ट्रीय कम्पनियां इस प्रकार के विभिन्न सामाजिक सीरियलों को बनवाकर प्रायोजित करते हुए टीवी पर प्रसारित करवाती हैं जिनमे संयुक्त परिवार के नुक्सान बताए जाते हैं एवं छोटे छोटे परिवारों के फायदे दिखाए जाते हैं। सास बहू के बीच, ननद देवरानी के बीच, दो बहिनों के बीच, पड़ौसियों के बीच, छोटी छोटी बातों को लेकर झगड़े दिखाए जाते हैं एवं जिनका अंत परिवार की टूट के रूप में बताया जाता है, ताकि भारत में भी पूंजीवाद की तर्ज पर व्यक्तिवाद को बढ़ावा मिल सके। भारत एक विशाल देश है एवं विश्व में सबसे बड़ा बाजार है, बहुराष्ट्रीय कम्पनियां यदि अपने इस कुचक्र में सफल हो जाती हैं तो उनकी सोच के अनुसार भारत में उत्पादों की मांग में बेतहाशा वृद्धि हो सकती है, इससे विशेष रूप से बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को सीधे सीधे फायदा होगा। इसी कारण के चलते आज जोर्ज सोरोस जैसे कई विदेशी नागरिक अन्य कई विदेशी संस्थानों एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के साथ मिलकर भारतीय संस्कृति पर हमला करते हुए दिखाई दे रहे हैं एवं भारतीय संस्कृति को नष्ट करने का प्रयास कर रहे हैं।

पश्चिमी देशों के नागरिकों के लक्ष्य भौतिक (जड़) हो रहे हैं और चेतना कहीं पीछे छूट रही है। केवल आर्थिक विकास अर्थात अर्थ का अर्जन करना ही जैसे इस जीवन का मुख्य उद्देश्य हो। परंतु, भारत के नागरिक सनातन संस्कृति का अनुसरण करते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी के अहसास के प्रति भी सजग दिखाई देते हैं, अर्थात उनमें चेतना के दर्शन भी होते हैं। अब हम समस्त भारतीय नागरिकों को वैश्विक बाजार शक्तियों द्वारा फैलाए जा रहे उक्त वर्णित जाल में नहीं फंसते हुए, हमारे अपने भारतीय व्यंजनों का भरपूर आनंद उठाते हुए अपनी भारतीय परम्पराओं का अनुपालन सुनिश्चित करना चाहिए। हमें अपने जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में केवल स्वदेशी उत्पादों का ही उपयोग करना चाहिए चाहे वह तुलनात्मक रूप से थोड़ा महंगा ही क्यों न हो। उदाहरण के तौर पर हमारे जीवन में रोजाना उपयोग होने वाले कुछ उत्पादों के नाम यहां पर दिए जा सकते हैं, जिनका उत्पादन सदियों से भारत में ही पर्याप्त मात्रा में होता चला आया है। केवल और केवल भारतीय कम्पनियों द्वारा निर्मित इन उत्पादों का उपयोग एवं विदेशी कम्पनियों द्वारा निर्मित इन उत्पादों का उपयोग नहीं करने की शपथ ली जानी चाहिए। जैसे, नहाने का साबुन, कपड़े धोने का साबुन, सौंदर्य प्रसाधन औषधियां, टुथथपेस्ट दंतमंजन टुथब्रश, दाढ़ी का साबुन ब्लेड्स रेजर, बिस्किट चाकलेट दुग्ध उत्पाद ब्रेड, चाय काफी, शीतपेय शरबत चटनी अचार मुरब्बा, आइसक्रीम खाद्यतेल खाद्य पदार्थ, विद्युत उपकरण गृहोपयोगी वस्तु घड़ियां, लेखन सामग्री, जूते चप्पल पोलिश, तैयार कपड़े, कम्प्यूटर लैपटोप एवं उपकरण, टेलिकॉम उपकरण, बाम और मरहम, दो पहिया वाहन, चार पहिया वाहन, स्वचालित वाहन एवं मोबाइल फोन आदि।

गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड के चेहरे पर कालिख पोतकर जूते पहनाए

ससुराल वाले बोले-तू हमारे लिए मर गई, 3 बच्चों की मां है महिला; युवक भी है शादीशुदा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में शादीशुदा गर्लफ्रेंड और बॉयफ्रेंड के चेहरे पर कालिख पोती गई है। दोनों को जूतों की माला भी पहनाई गई। इस दौरान पंचायत में गांव के बड़े-बुजुर्ग और पदाधिकारी भी मौजूद थे। वारदात का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामला जनकपुर थाना इलाके का है। जानकारी के मुताबिक, महिला 3 बच्चों की मां है। महिला की शिकायत पर उसके ससुराल पक्ष के 4 लोगों और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। महिला का कहना है कि उसके पति को उस पर नाजायज़ संबंध होने का शक था। लड़ाई के बाद पति ने घर से निकाल दिया, इसलिए वह दूसरे युवक के घर रहने चली गई थी।

यह है मामला: दरअसल, महिला की शादी कोरिया जिले के बरेल गांव में हुई थी। उसका उसी गांव के रहने वाले ओम प्रकाश पनिका से अफेयर चल रहा था। अफेयर को लेकर पति-पत्नी में आए दिन झगड़ा होता था। इसी बीच 21 नवंबर को अफेयर को लेकर उनके बीच फिर से झगड़ा हो गया। इस दौरान गुस्साए पति ने अपनी पत्नी को घर से निकाल दिया। घर से निकाले जाने के बाद महिला अपने प्रेमी ओम प्रकाश के घर चली गई। इससे महिला के चाचा ससुर राय सिंह, गुलाब सिंह और चाची सास उर्मिला और अनीता ने अपनी बहू और उसके प्रेमी ओम प्रकाश को पकड़ लिया। इसके बाद वे प्रेमी-प्रेमिका को गांव के बीच एक पब्लिक जगह पर ले आए और पंचायत की। गांव की पंचायत में ससुराल वालों ने दोनों के बीच नाजायज रिश्ते का आरोप लगाया। उन्होंने ओम प्रकाश को चोर कहकर नारे भी लगाए। उनके चेहरे पर कालिख पोत दी और जूतों की माला पहना दी।

जनकपुर पुलिस ने दर्ज की एफआईआर: वहीं कालिख पोतने और जूते की माला पहनाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद महिला ने जनकपुर थाने में ससुराल वालों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। जनकपुर पुलिस ने राय सिंह, गुलाब सिंह, उर्मिला सिंह व अनीता सिंह के खिलाफ बीएनएस की धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया।

रिपोर्ट में महिला ने बताया है कि पति ने अवैध संबंध के शक पर विवाद किया। घर से निकाले जाने के बाद वह ओमप्रकाश के घर गई। ओमप्रकाश के परिवार से अच्छा संबंध होने के कारण उसके घर में रह रही थी। इससे गुस्साए ससुराल वालों ने अपमानित किया। पंचायत में उन्होंने कहा कि तू आज से हमारे लिए मर गई। वहीं मामले में जनकपुर थाना प्रभारी ओमप्रकाश दुबे ने बताया कि महिला की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई है। महिला की शादी करीब 8 साल पहले हुई थी। उसके तीन बच्चे हैं। वहीं ओमप्रकाश भी शादीशुदा है और उसका एक बच्चा है। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है।

युवा उत्सव 2025-26 जिला एवं राज्य स्तरीय आयोजन के लिए दिशा-निर्देश जारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। संचालनालय, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ द्वारा वर्ष 2025-26 के युवा उत्सव के सफल आयोजन हेतु दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। राज्य के युवाओं को कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में बेहतर अवसर प्रदान करने उद्देश्य से हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी जिला एवं राज्य स्तर पर युवा उत्सव का आयोजन किया जाएगा। जारी निर्देशों के अनुसार, संचालनालय के पत्र क्रमांक 69 दिनांक 09 अप्रैल 2025 द्वारा प्रति विकासखण्ड 35,000 रुपए और प्रति जिला 1,75,000 रुपए का बजट स्वीकृत किया गया है। इस वर्ष जिला एवं राज्य स्तरीय युवा उत्सव आयोजित होना है, इसलिए विकासखण्ड स्तरीय महोत्सव हेतु आबंटित बजट का उपयोग जिला स्तरीय उत्सव में तथा राज्य स्तरीय आयोजन हेतु प्रतिभागियों के यात्रा व्यय में किया जाएगा।

मुख्य दिशा-निर्देश: जिला स्तरीय आयोजन जिला मुख्यालय में होगा, जिसके प्रभारी जिला कलेक्टर तथा नोडल अधिकारी जिला खेल विभाग के अधिकारी होंगे। जिला स्तरीय विजेता प्रतिभागी राज्य स्तरीय युवा उत्सव में भाग लेंगे। प्रतिभागियों का पोर्टल में पंजीयन अनिवार्य होगा, साथ ही आयोजन के फोटो/वीडियो पोर्टल में अपलोड किए जाएंगे। आयोजन का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे अधिकतर युवा शामिल हो सकें। आयोजन में जनप्रतिनिधियों, स्थानीय प्रभावी व्यक्तियों एवं सम्मानीय नागरिकों की उपस्थिति भी सुनिश्चित की जाए। एक प्रतिभागी केवल एक ही विधा में भाग ले सकेगा। प्रत्येक विधा में विजेता प्रतिभागियों के चयन हेतु कम से कम तीन विशेषज्ञ निर्णायक नियुक्त किए जाएंगे।

जिला स्तरीय विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी: इसके अलावा भारत सरकार द्वारा निर्धारित विधाओं-लोकनृत्य, लोकगीत, चित्रकला, वाद-विवाद एवं कविता लेखन में चयनित प्रतिभागी राष्ट्रीय युवा उत्सव में राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। राष्ट्रीय युवा उत्सव का आयोजन 10 से 12 जनवरी 2026, नई दिल्ली में किया जाएगा। संचालनालय ने जिला स्तर के आयोजन हेतु विस्तृत निर्देश भी जारी किए हैं और जिलों को निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

जनकपुर आईटीआई में सिविंग ऑपरेटर हेतु अतिथि प्रशिक्षक भर्ती, वॉक-इन इंटरव्यू 1 को

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था जनकपुर में सिविंग ऑपरेटर ट्रेड के प्रशिक्षण के लिए अतिथि प्रशिक्षक की नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इस पद पर नियुक्ति वॉक-इन इंटरव्यू के माध्यम से की जाएगी।

इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता संबंधित ट्रेड या विषय में आईटीआई सीआईटीएस अथवा डिप्लोमा या डिग्री के साथ निर्धारित अनुभव होना आवश्यक है।

योग्य अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे 01 दिसम्बर 2025 को सुबह 10:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे के बीच शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था जनकपुर में अपने सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित हों। अधिक जानकारी के लिए जिले की आधिकारिक वेबसाइट के भर्ती अनुभाग पर उपलब्ध निर्देश एवं विवरणों का अवलोकन किया जा सकता है।

'बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान' को मिली नई गति, आईटीआई छात्रों और ग्राम पंचायत लालपुर में निकाली गई जागरूकता रैली

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के दिशा-निर्देश और जिला कार्यक्रम अधिकारी आदित्य शर्मा तथा आर.के. खाती के मार्गदर्शन में बाल संरक्षण को लेकर विशेष अभियान चलाया गया। जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा जिला बाल संरक्षण अधिकारी कोमल सिंह की उपस्थिति में ग्राम पंचायत लालपुर के अंतर्गत शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था मनेन्द्रगढ़ में 'बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान' पर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें आईटीआई के विद्यार्थियों के साथ बाल विवाह के दुष्परिणाम, सही उम्र में शिक्षा और विवाह का महत्व, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला घरेलू हिंसा शिकायत हेतु हेल्पलाइन 181 और पुलिस हेल्पलाइन 112 के उपयोग और महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के बाद विद्यार्थियों ने बाल विवाह के खिलाफ रैली निकालकर पूरे क्षेत्र में जागरूकता का संदेश दिया। रैली में आईटीआई के प्रिंसिपल, शिक्षक गण, संरक्षण अधिकारी बिंदिया खलखो, आउटरीच वर्कर ताज मोहम्मद और सोशल वर्कर रामयज्ञ साहू भी शामिल रहे, जिन्होंने बाल विवाह रोकथाम और कानूनों के पालन पर जोर दिया।

उधर ग्राम पंचायत लालपुर में सरपंच और सचिव की उपस्थिति में बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के अंतर्गत जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के दौरान लोगों को बताया गया कि बाल विवाह न सिर्फ बच्चों के भविष्य को नुकसान पहुंचाता है बल्कि कानून भी दंडनीय अपराध है। पंचायत को बाल विवाह मुक्त बनाने की दिशा में यह रैली एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और मितानिनों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई और घर-घर संदेश पहुंचाने का संकल्प लिया। जिले में आयोजित यह अभियान बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा, अधिकारों और सशक्तिकरण की दिशा में अत्यंत प्रभावी और प्रेरणादायी साबित हुआ।

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की नवीन प्रबंध समिति का निर्वाचन 28 को

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। कलेक्टर एवं भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी शिवपुरी के अध्यक्ष के निर्देशानुसार भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की नवीन प्रबंध समिति का पुनर्गठन के निर्वाचन एवं साधारण सभा की बैठक 28 दिसम्बर को प्रात: 10 बजे रेडक्रॉस भवन कल्याणी धर्मशाला शिवपुरी में निर्वाचन अधिकारी एवं एडीएम दिनेश शुक्ला की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी।

इस दौरान 28 दिसम्बर को आमसभा बैठक, आजीवन सदस्यों की अंतिम सूची का अवलोकन, दावा आपत्ति प्राप्त करना एवं निराकरण, नाम निर्देशन प्राप्त करना, नाम वापसी समय, अंतिम उम्मीदवारों के नामांकन का प्रकाशन, मतदान, मतगणना तथा निर्वाचित पदाधिकारियों की घोषणा की जाएगी।

संविधान दिवस पर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विशेष कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। संविधान दिवस के अवसर पर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शिक्षा विभाग मनेन्द्रगढ़ में छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग एवं जिला संस्कृति विभाग एमसीबी के निर्देशानुसार विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। सर्वप्रथम बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ता मयंक जैन के सहयोग से वर्ष 1969 में प्रकाशित भारतीय संविधान के पंचम संस्करण का प्रदर्शन व्याख्याता टी. विजय गोपाल राव द्वारा किया गया, जिसका छात्राओं ने उत्साहपूर्वक अवलोकन किया। इसके पश्चात छात्राओं को भारतीय संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन एवं संविधान शपथ दिलाई गई।

जिला संस्कृति विभाग के नोडल अधिकारी विनोद पांडेय, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी विरेंद्र पांडे, प्राचार्य सत्येंद्र सिंह एवं नारायण तिवारी द्वारा भारतीय संविधान के महत्व, उसकी निर्माण प्रक्रिया, महत्वपूर्ण तिथियों तथा संविधान सभा से जुड़े सभी सदस्यों की जानकारी विस्तार से प्रदान की गई।

कार्यक्रम में संविधान से संबंधित प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसे अर्चना वैष्णव, दीपा देवांगन, जया रात्रे, संध्या मिश्रा, सुमित, प्रिया दुबे और जसवंत कुमार द्वारा संचालित किया गया। प्रश्नावली में संविधान निर्माताओं, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल, स्वामी विवेकानंद, सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, सुषमा स्वराज आदि प्रमुख नेताओं के चित्र और आवाज की पहचान से जुड़े रोचक प्रश्न शामिल रहे। कार्यक्रम जानकारीपूर्ण, प्रेरणादायी और अत्यंत रोचक रहा, जिसमें बड़ी संख्या में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। 08 से 11

मनेंद्रगढ़ व आसपास के क्षेत्रों में मतदाता पुनरीक्षण हेतु घर-घर पहुँचकर अभियान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में चल रहे मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत बुधवार को बूथ स्तर अधिकारियों द्वारा घर-घर पहुँचकर मतदाताओं की जानकारी का सत्यापन, नए नामों का पंजीकरण तथा सुधार कार्य किया गया। स्थानीय वार्डों और ग्रामीण इलाकों में टीमों ने लोगों को फ़ॉर्म-6, 7 और 8 की जानकारी देते हुए आवश्यक दस्तावेजों के साथ सही तरीके से आवेदन भरने के लिए मार्गदर्शन किया। कई स्थानों पर महिलाओं और युवाओं ने बढ़-चढ़कर प्रक्रिया में हिस्सा लिया। आयोजित कैंप में अधिकारी खुले स्थान पर बैठकर आवेदनों की जाँच करते नज़र आए। मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपने दस्तावेज जमा कराए। टीम ने यह भी बताया कि जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे निर्धारित तिथि तक अपना आवेदन अवश्य भरें।

एक अन्य मौके पर स्वास्थ्य कारणों से घर में मौजूद एक युवक के लिए भी ब्लह ने वहाँ पहुँचकर फ़ॉर्म भरवाया तथा आवश्यक दस्तावेजों की जाँच की। क्षेत्र में चल रहे इस अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करना और त्रुटियों को दूर करना है। अधिकारियों ने बताया कि सभी फ़ॉर्मों की ऑनलाइन प्रविष्टि समयबद्ध तरीके से की जाएगी ताकि आगामी चुनाव में हर पात्र मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर सके।

कोड़ा उपार्जन केंद्र बना किसानों की पहली पसंद- पारदर्शिता, सुगमता और भरोसे का अनोखा संगम

दिग्विजय साहू बोले-बेहतर मूल्य और सरल प्रक्रिया ने बढ़ाया किसानों का आत्मविश्वास

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। धान खरीदी सत्र 2025-26 की शुरुआत इस वर्ष किसानों के लिए नई आशा, उत्साह और सकारात्मक अनुभव लेकर आई है। खड़गवां विकासखंड के कोड़ा उपार्जन केंद्र ने अपनी सुव्यवस्थित व्यवस्था, सहयोगी व्यवहार और पारदर्शी कार्यप्रणाली के कारण किसानों के बीच एक आदर्श उपार्जन केंद्र के रूप में पहचान बनाई है। यहाँ पहुंचने वाले किसानों के चेहरे पर संतोष और भरोसे की चमक स्पष्ट दिखाई देती है।

दिग्विजय साहू किसान परिवार की उम्मीदों का भरोसेमंद अनुभव: ग्राम देवाडांड निवासी किसान राम बरन साहू के पुत्र दिग्विजय साहू ने केंद्र में हो रहे सकारात्मक बदलाव को करीब से महसूस किया। वे 130 क्विंटल धान लेकर केंद्र पहुंचे और बताया कि यह इस सीजन का उनका पहला टोकन है आगे और भी धान की आवक होगी। उनके अनुसार उनका परिवार हर साल 600-700 क्विंटल धान इसी केंद्र में विक्रय करता है।

दिग्विजय साहू ने बताया कि इस बार उपार्जन केंद्र में अनुशासन, पारदर्शिता और सुगमता का वह स्तर देखने मिला है जो लंबे समय बाद महसूस हुआ है। समिति और टोकन ऐप की नई प्रणाली से किसानों को समय पर टोकन मिल रहे हैं, जिससे सुबह की भीड़ और लंबी कतारों की समस्या खत्म हो गई है। निर्धारित समय पर पहुँचते ही तौल तुरंत शुरू हो जाती है।

पिछले अनुभव, बेहतर मूल्य-नई आर्थिक मजबूती की उम्मीद: उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष भी लगभग इतनी ही मात्रा में धान बिक्री से उनके परिवार के कई महत्वपूर्ण कार्य पूरे हुए- घर-परिवार के खर्च, रबी फसल की तैयारी, कृषि निवेश एवं अन्य आवश्यक कार्य हुए हैं। इस वर्ष भी उन्हें विश्वास है कि 3100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य और उपार्जन केंद्र की उत्कृष्ट व्यवस्था से उनकी आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी।

'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' और लिंग आधारित हिंसा को लेकर हुआ जागरूकता अभियान

छात्र-छात्राओं को मिली सुरक्षा व अधिकारों की व्यापक जानकारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार और महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी आर.के. खाती ने मार्गदर्शन में आज बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना एवं लिंग आधारित हिंसा के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु विद्यालयों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मिशन शक्ति, मिशन वात्सल्य, नवा बिहान, सखी वन स्टॉप सेंटर और सेवा प्रदाता टीम द्वारा संयुक्त रूप से पंपलेट वितरण कर महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं।

कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं उपस्थित ग्रामीणों को सखी वन स्टॉप सेंटर की सेवाएं, महिला हेल्पलाइन 181, बाल हेल्पलाइन 1098, पीएमवीवाई नोनी सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, सुकन्या समृद्धि योजना सहित महिला एवं बाल संरक्षण से संबंधित कई प्रमुख योजनाओं की जानकारी विस्तार पूर्वक समझाई गई। साथ ही पॉक्सो एक्ट, पोश एक्ट, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, बाल श्रम अधिनियम तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की अन्य सुरक्षा-समर्थन नीतियों के बारे में बच्चों को सरल भाषा में जागरूक किया गया। अधिकारियों एवं टीम सदस्यों ने बताया कि सरकार द्वारा संचालित इन सभी योजनाओं का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं एवं महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा, समान अवसर और सशक्तिकरण सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को यह भी बताया गया कि किसी भी आपात स्थिति में 181 महिला हेल्पलाइन और 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन तत्काल सहायता प्रदान करती हैं, जिससे बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा मजबूत होती है। जागरूकता अभियान में उपस्थित शिक्षकों ने टीम के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि इस प्रकार की पहल विद्यार्थियों में सुरक्षा, अधिकारों और संवेदनशीलता के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देती है। ग्रामीणों ने भी कार्यक्रम को आवश्यक और प्रभावी बताते हुए भविष्य में ऐसे अभियान अधिक से अधिक चलाने की मांग की। विद्यालय परिसर में आयोजित यह जागरूकता कार्यक्रम छात्र-छात्राओं में कानूनी अधिकारों, सरकारी योजनाओं और सुरक्षा तंत्र के प्रति विश्वास व समझ विकसित करने में अत्यंत सफल रहा।

राष्ट्रीय दुग्ध दिवस एवं संविधान दिवस के अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित हुए कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। राष्ट्रीय दुग्ध दिवस एवं संविधान दिवस 26 नवंबर को कृषि विज्ञान केंद्र शिवपुरी पर आयोजित किया गया। जिसमें कृषि छात्रों कृषकों पशुपालकों तथा स्टाफ की सहभागिता में दोनों दिवस मनाए गए। कृषि विज्ञान केंद्र शिवपुरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ पुनीत कुमार के निर्देशन में आयोजन किए गए सर्वप्रथम भारत के संविधान उद्देशिका का वाचन करते हुए नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों के निर्वहन की शपथ केंद्र के कार्यालय अधीक्षक सत्येंद्र गुप्ता द्वारा दिलाई गई। राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के अवसर पर जिले के भेड़ प्रजनन प्रक्षेत्र में पदस्थ डॉ नितिन मोहन गुप्ता चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ द्वारा पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन तकनीकी पर व्याख्यान पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से दिया गया और पशुधन की व्यावहारिक जानकारी भी दी गई। वही जिले के ग्राम नोहरी के सफल युवा पशुपालक वीरू ओझा द्वारा अपनी सफलता की कहानी की जानकारी देते हुए उनके द्वारा डेयरी फार्म में पशुधन से उत्पादन हो रहे प्रतिदिन 110 लीटर दूध के विक्रय के द्वारा मासिक शुद्ध मुनाफा 75 हजार रुपए लिया जा रहा है। वही मध्य शासन के पशुपालन विभाग की ट्रिपल एस योजना जो जिला प्रशासन द्वारा विशेष फोकस है। उनमें सेक्स सॉर्टेड सीमेन तकनीक द्वारा वीरू ओझा ने अपनी पशुशाला में हुई दो उन्नत नस्ल की बछडियो जिसमे साहिवाल और गिर के बारे में भी बदलाते हुए गाय और भैंस की उन्नत दुधारू नस्लों के साथ पशुपालन को उद्यम बनाकर ग्रामीण पलायन को रोका जा सकता है और संतुष्टि पूर्ण आत्मनिर्भर जीवन व्यतीत करने के बारे में अपने अनुभव साझा किये।

हेलमेट नहीं तो सफर नहीं अभियान असरदार, कर्मचारी भी सुरक्षा के प्रति होने लगे जागरूक

राजगढ़, एजेंसी। सड़क सुरक्षा को लेकर जिले में चल रहे हेलमेट नहीं तो सफर नहीं अभियान का सकारात्मक प्रभाव लगातार दिख रहा है। पुलिस द्वारा की जा रही कड़ाई और समझाइश के चलते अब सरकारी कार्यालयों में कर्मचारी नियमों का पालन करने लगे है। सोमवार को राजगढ़ और ब्यावरा में यातायात पुलिस द्वारा विभिन्न कार्यालयों के बाहर चेकिंग अभियान चलाया गया था। चेकिंग में 54 कर्मचारी बिना हेलमेट पहुंचे, जिनकी जानकारी संबंधित विभागाध्यक्षों को भेजी गई। इसके बाद मंगलवार को चेकिंग के दौरान अधिकांश कर्मचारी हेलमेट लगाकर कार्यालय पहुंचे।यातायात प्रभारी देवनारायण पांडे ने बताया कि मंगलवार को राजगढ़ और ब्यावरा में कुल नौ चेकिंग पॉइंट लगाए गए। इनमें लगभग 450 कर्मचारियों की जांच हुई, जिनमें केवल 25 कर्मचारी बिना हेलमेट मिले। इन लोगों ने भी आगे से नियमों का पालन करने की बात कही।

एसपी से स्वास्थ्य कर्मियों को किया जागरूक: इधर, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को हेलमेट लगाने की आदत विकसित कराने के लिए एसपी अमित तोलानी मंगलवार दोपहर जिला अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने सीएमएचओ शोभा पटेल की मौजूदगी में स्वास्थ्य कर्मचारियों की बैठक ली। एसपी तोलानी ने हेलमेट पहनने के फायदे और बिना हेलमेट होने वाले नुकसान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियम नहीं, जीवन रक्षा के लिए जरूरी है। समझाइश के बाद स्वास्थ्य कर्मियों ने भी संकल्प लिया कि अब वे बाइक चलाते समय हमेशा हेलमेट का उपयोग करेंगे।

आलीराजपुर में वार्डन की गैर-मौजूदगी में 12 बच्चे बीमार-जोबट हॉस्टल में तबीयत बिगड़ी

आलीराजपुर, एजेंसी। मध्यप्रदेश के अलीराजपुर जोबट ब्लॉक के ग्राम जाली स्थित बालक छात्रावास में गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। वार्डन की अनुपस्थिति के कारण छात्रावास के 12 बच्चे बीमार पड़ गए, जिसके बाद खाना बनाने वाली महिला ने सभी बच्चों को जोबट अस्पताल ले गई।जानकारी के अनुसार, बीमार बच्चों को खांसी और घबराहट की शिकायत थी। इन बच्चों की उम्र लगभग 11 से 12 वर्ष बताई जा रही है। सभी बच्चों का उपचार जोबट अस्पताल में जारी है।

विधायक ने एसडीएम को जांच करने के निर्देश दिए : बताया गया है कि हॉस्टल में वार्डन लगातार गैरहाजिर रहते थे, जिसके कारण बच्चों की देखरेख और छात्रावास की व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही थीं। लापरवाही के चलते यह घटना हुई। मामला संज्ञान में आने पर स्थानीय विधायक ने तुरंत जोबट एसडीएम से बात की और घटना की जानकारी दी। उन्होंने तत्काल जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। खबर मिलने पर एसडीओपी जोबट रवींद्र राठी, बीईओ प्रताप डावर, थाना प्रभारी विजय वास्कले और एसडीएम वीरेंद्र बघेल भी अस्पताल पहुंचे।

शहडोल में 40 वर्षीय महिला ने घर में फांसी लगाई

शहडोल,एजेंसी। शहडोल के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के चकरवाह गांव में एक महिला ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

रतलाम में रिटायर्ड शिक्षिका के हत्यारे का एनकाउंटर, TI घायल

पिस्टल छीनकर भाग रहा था, पैर में मारी गोली; लूट के इरादे से किया था मर्डर

रतलाम, एजेंसी। रतलाम के मीरा कुटी लक्ष्मणपुरा क्षेत्र में रिटायर्ड शिक्षिका हत्याकांड के आरोपी को पुलिस ने शॉर्ट एनकाउंटर में पकड़ लिया है। पुलिस ने मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात करीब 12.30 बजे सरला धनेटवाल (70) की हत्या करने वाले आरोपी सागर मीणा (38) का पुलिस ने शॉर्ट एनकाउंटर किया। पुलिस टीम उसे झाबुआ बॉर्डर से पकड़कर ला रही थी, तभी रावटी और रानी सिंह के बीच उसने टीआई की पिस्टल छीनकर भागने की कोशिश की। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने उसके बाएं पैर में गोली मारी। इस झड़प में डीडी नगर टीआई भी घायल हुए हैं।

सागर नागदा (उज्जैन) का रहने वाला है। रात करीब 12.30 बजे उसने टॉयलेट का बहाना बनाया। पुलिस ने गाड़ी रोकी। वह उतरा और डीडी नगर थाना प्रभारी

अनुराग यादव को धक्का देकर उनकी पिस्टल छीनने की कोशिश की।

जब टीआई यादव ने उसे पकड़ने की कोशिश की, तो आरोपी ने पिस्टल तान दी और भागने लगा। बचाव में इंडस्ट्रियल एरिया टीआई सत्येंद्र रघुवंशी ने आरोपी के पैर में गोली मार दी। घायल आरोपी और टीआई अनुराग यादव (घुटने में चोट आई है) को रात करीब डेढ़ बजे पुलिसकर्मी रतलाम मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने आरोपी के पैर से गोली निकाल दी है।

नौकरानी और उसकी बेटी ने रची थी साजिश- एसपी अमित कुमार ने बताया कि हत्या की साजिश शिक्षिका की नौकरानी लीला डामोर और उसकी बेटी मोना ने रची थी। मोना आरोपी सागर मीणा की करीबी दोस्त है। इन दोनों ने ही सागर को बताया था कि टीचर घर में अकेली रहती हैं। उनके घर में बहुत सारे गहने और रुपए हैं।

सख्ती से पूछताछ में मां-बेटी ने उगला सच : पुलिस को पहले दिन से ही नौकरानी लीला पर शक था। क्योंकि वह घटना के एक दिन पहले काम पर नहीं गई थी, लेकिन हत्या वाले दिन घर पहुंच गई थी। पुलिस ने लीला और मोना को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो वे टूट गई और सागर मीणा का नाम बता दिया। इसके बाद एसआईटी ने सागर को ट्रेस किया।

4 दिन से कर रहा था रेकी, छत के रास्ते घुसा: की जांच में सामने आया कि आरोपी 4 दिन से घर में घुसने की कोशिश कर रहा था। सोमवार सुबह वह घर के बाहर बनी पेढ़ी और बिजली मीटर पर पैर रखकर छत पर पहुंचा। घर के पिछले हिस्से की सीढ़ियों पर घात लगाकर बैठ गया। जैसे ही शिक्षिका किचन का दरवाजा खोलकर बाथरूम की तरफ गई, उसने पीछे से हमला कर चाकू से उनका गला रेत दिया।

ट्रेन में फेरी लगाता है, मोबाइल नहीं रखता

आरोपी सागर ट्रेनों में फेरी लगाकर सामान बेचने और बैग रिपेयरिंग का काम करता है। उसके माता-पिता की मौत हो चुकी है। उसका कोई पक्का घर नहीं है। वह जहां जगह मिलती है, सो जाता है। पुलिस से बचने के लिए वह मोबाइल का भी इस्तेमाल नहीं करता है। उस पर चोरी के कई केस पहले से दर्ज हैं।

सोमवार को घर के बाथरूम में मिला था शव

बता दें, सोमवार (24 नवंबर) सुबह रिटायर्ड शिक्षिका सरला धनेटवाल का शव उनके घर के बाथरूम में मिला था। उन्हें एक शादी में शामिल होने उज्जैन जाना था। मामले की गंभीरता को देखते हुए आईजी उमेश जोगा ने भी घटनास्थल का दौरा किया था और एसपी ने 10 हजार का इनाम घोषित किया था।

छतरपुर में युवक को आधी रात में गोली मारी

जांघ में फंसी गोली, पहले भी हो चुका है विवाद; पुलिस ने मामला संदिग्ध बताया

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर के पठापुर रोड पर मंगलवार की रात झुग्गी में सो रहे युवक पर उसके रिश्तेदारों ने हमला कर दिया। आरोप है कि एक आरोपी ने उसकी जांघ में गोली मार दी। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले को संदिग्ध मानकर जांच शुरू की है। घायल 25 वर्षीय राजू पांच साल से छतरपुर में रह रहा है। उसने बताया कि रात करीब 12:30 बजे वह मां हीरा और बहू शिवानी के साथ झुग्गी में सो रहा था।

पहले मारपीट की, फिर गोली मारी : इसी दौरान उसके चचेरे भाई महेश, कल्लू और उनके जीजा गजेंद्र रजक वहां पहुंचे। राजू के मुताबिक, उन्होंने पहले छोटे भाई अर्जुन को गाली देकर लाठी-डंडों से मारपीट की। इसके बाद महेश ने उसकी दाहिनी जांघ में गोली मार दी और सभी आरोपी भाग गए।

पुराना जमीन विवाद, पहले भी एक केस में फंसाने का आरोप: राजू का कहना है कि परिवार के साथ उसका जमीन विवाद चल रहा है। उसने यह भी दावा किया कि 2012 में उसे 15 वर्षीय लड़की के अपहरण और हत्या के मामले में झूठा फंसाया गया था। जमानत के बाद वह छतरपुर में रहने लगा। घायल के अनुसार, घटना के बाद उसने रात 12:30 बजे 112 पर कॉल किया, लेकिन पुलिस करीब एक घंटे बाद पहुंची। उसका कहना है कि पैर में अभी भी गोली फंसी है और उचित इलाज नहीं मिल पाया है।

पुलिस- जिन पर आरोप हैं वे घर में सोते मिले; मामला संदिग्ध: सिटी कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद दांगी ने बताया कि युवक को गोली लगी है और उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों पर गोली चलाने का आरोप है, वे पुलिस के पहुंचने पर अपने घर पर सोते मिले। थाना प्रभारी के मुताबिक, पूरा मामला संदिग्ध लग रहा है और इसकी गहन जांच की जा रही है।

बजरंग दल कार्यकर्ता की शुगर मिल में पिटाई

नरसिंहपुर में गन्ने की कम तुलाई देखने गए थे, कर्मचारियों ने घेर लिया

नरसिंहपुर, एजेंसी। नरसिंहपुर जिले के मुंगवानी थाना क्षेत्र स्थित बचई गांव में महाकौशल शुगर मिल में मंगलवार को हुए विवाद का एक वीडियो बुधवार को सामने आया है। इस वीडियो में मिल के कर्मचारियों द्वारा बजरंग दल के एक कार्यकर्ता की पिटाई करते हुए देखा जा सकता है।

जानकारी के अनुसार, बजरंग दल कार्यकर्ता जयदीप दुबे को सूचना मिली थी कि मिल के तौल कांटे पर गन्ने की कम तुलाई की जा रही है। इस पर वे मौके पर पहुंचे और तुलाई रोक दी।

इसी दौरान मिल के कर्मचारियों और जयदीप दुबे के बीच बहस बढ़ गई। इसके बाद कर्मचारियों ने कथित तौर पर शुगर मिल संचालक की मौजूदगी में उन पर हमला कर दिया। वायरल वीडियो में कार्यकर्ता के साथ मारपीट और खींचतान के दृश्य साफ दिखाई दे रहे हैं।

जयदीप दुबे ने आरोप लगाया है कि यह हमला शुगर मिल संचालक नवाब राजा के इशारे पर किया गया। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने अनियमितताओं का विरोध किया, तो कर्मचारियों ने उन्हें घेरकर बेरहमी से पीटा।

मुंगवानी थाना प्रभारी अनिल तिवारी ने बताया कि मामले में दोनों पक्षों की शिकायतें प्राप्त हुई हैं। मिल प्रबंधन ने कार्यकर्ताओं पर फैक्ट्री में घुसकर उपद्रव करने का आरोप लगाया है, वहीं बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने मिल संचालन से प्रदूषण और गलत तुलाई की शिकायत दर्ज कराई है।

थाना प्रभारी ने कहा कि पुलिस द्वारा दोनों पक्षों की शिकायतों पर विवेचना की जा रही है और वायरल वीडियो की भी जांच की जाएगी।

मंदसौर में होटल के बाहर से बाइक चोरी,CCTV में आरोपी कैद, पुलिस फुटेज के आधार पर तलाश में जुटी

मंदसौर, एजेंसी। मंदसौर शहर के महाराणा प्रताप चौराहा स्थित होटल गैलेक्सी के बाहर से मंगलवार रात ब्लैक कलर की बाइक चोरी हो गई। वारदात होटल के बाहर लगे CCTV कैमरे में स्पष्ट रूप से कैद हुई है। CCTV फुटेज में दिखाई देता है कि एक युवक होटल के बाहर खड़ी बाइक के पास आता है और कुछ मिनट तक उस पर बैठा रहता है। इसके बाद वह स्विच ऑन करता है और मौका देखते ही बाइक लेकर फरार हो जाता है।

होटल गैलेक्सी के नीचे सनी बाथरा की 'देवांशी कंसल्टेंसी' नाम से दुकान है। दुकान के ठीक सामने खड़ी

बाइक क्रमांक MP 14 MY 7095 को आरोपी चोरी कर ले गया। घटना के तुरंत बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई।

फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश जारी : फिलहाल पुलिस CCTV फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी की कोशिश कर रही है। हालांकि शहर में कई चोरी की घटनाएं CCTV कैमरों में कैद होने के बावजूद आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से सवाल उठ रहे हैं। पुलिस अब तक किसी बड़े वाहन चोर गिरोह तक नहीं पहुंच पाई है, जिससे नागरिकों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है।

खुला नाला बना हादसों का कारण, स्कूली बच्चों और राहगीरों की चिंता

रायसेन,एजेंसी। रायसेन शहर के दशहरा मैदान स्थित सब्जी मंडी और केंद्रीय विद्यालय की ओर जाने वाले रास्ते पर कई सालों से नाला खुला पड़ा है। दिनभर इस मार्ग से कई स्कूली बच्चे, किसान और स्थानीय लोग गुजरते हैं। रात के समय यह मार्ग और भी खतरनाक हो जाता है, क्योंकि अंधेरे में बाइक या कार का पहिया नाले में जाने का जोखिम बढ़ जाता है। हाल ही में एक बाइक सवार नाले में गिरकर घायल हो गया था। छोटे बच्चे साइकिल से गुजरते समय भी इस खुले नाले के पास से होकर जाते हैं, जिससे हादसे की संभावना बनी रहती है। लोग प्रशासन से

मांग कर रहे हैं कि नाले को ढकने या सुरक्षित बनाने की कार्रवाई जल्द की जाए, ताकि किसी की

मंडला में खड़े ट्रक से एम्बुलेंस टकराई तीन लोग घायल

मंडला, एजेंसी। मंडला के बीजाडांडी थाना क्षेत्र में एक एम्बुलेंस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दरअसल, मंगलवार रात मोइया नाला के पास एक खड़े ट्रक से टकराने के बाद एम्बुलेंस में सवार ड्राइवर सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। घायलों की पहचान प्रियंका तेकाम (22), देवेंद्र सिंह (35) और संदीप डेहरिया (26) के रूप में हुई है।

सड़क किनारे खड़े ट्रक से पीछे से टकराई एम्बुलेंस : जानकारी के अनुसार, यह घटना मंगलवार रात लगभग 10:30 बजे ग्राम मोइयानाला में हुई। 108 एम्बुलेंस सड़क किनारे खड़े ट्रक से पीछे से टकरा गई। दुर्घटना के बाद एम्बुलेंस का पायलट बुरी तरह फंस गया था, जिसे काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया।

विदिशा में शराब दुकान विवाद में युवक की मौत

पुलिस ने पांच आरोपी पकड़े, मैनेजर समेत साथियों ने लाठियों से हमला किया था

विदिशा, एजेंसी। विदिशा जिले में शराब दुकान पर हुए विवाद के बाद युवक की मौत के मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना 23 नवंबर की रात करारिया थाना क्षेत्र के चितोरिया जोड़ स्थित देशी शराब दुकान पर हुई थी, जहां शराब खरीदने को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि लाठी-डंडों से हमला हो गया। ताजखजूरी निवासी राजकुमार रघुवंशी अपने साथी देवेंद्र रघुवंशी और दुर्गेश रघुवंशी के साथ शराब खरीदने के लिए

दुकान पहुंचे थे। यहां शराब देने की बात पर दुकान के मैनेजर रामू राय और अन्य कर्मचारियों से विवाद हो गया। दोनों तरफ बहस बढ़ी, जिसके बाद दुकान के मैनेजर और उसके साथियों ने तीनों युवकों पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया।

तीन युवक गंभीर रूप से घायल, एक की मौत : हमले में राजकुमार, देवेंद्र और दुर्गेश गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान राजकुमार की मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने मामले को हत्या की धारा में बदलकर जांच तेज की। घटना को गंभीरता से लेते हुए एसपी रोहित काशवानी ने एक विशेष टीम बनाई।

ग्रामीणों ने तीन बकरी चोरों को घेराबंदी कर पकड़ा, पुलिस को सौंपा

झाबुआ में 12 से अधिक बकरियां हुईं थी चोरी

झाबुआ, एजेंसी। झाबुआ में बाइक सवार बकरी चोर गिरोह का खुलासा हुआ है। लगातार हो रही चोरी की वारदातों से परेशान ग्रामीणों ने सतर्कता दिखाते हुए बुधवार को तीन बदमाशों को रंगे हाथ पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया।

12 से अधिक बकरियां हुईं चोरी : यह गिरोह गेहलर बड़ी, काकरादरा और आसपास के अन्य गांवों में सक्रिय था। पिछले कुछ ही दिनों में इन क्षेत्रों से 12 से अधिक बकरियां चोरी हो चुकी थीं, जिससे ग्रामीण काफी परेशान थे। शनिवार को काकरादरा में एक बकरी चोरी कर बदमाश भाग निकले थे, जिसके बाद ग्रामीणों ने गिरोह को पकड़ने की योजना बनाई।

हेलमेट पहनकर बाइक पर आते थे तीन चोर : ग्रामीणों को जानकारी थी कि तीन लोग हेलमेट पहनकर बाइक पर आते हैं और चोरी की वारदातों को अंजाम देते हैं। सोमवार को उसी ग्रामीण की बकरी चोरी का फिर से प्रयास किया गया, जिसकी शनिवार को बकरी चोरी हुई थी। इस बार ग्रामीण पूरी तरह तैयार थे। मंगलवार की शाम को जैसे ही बाइक सवार बदमाश गांव में आए और एक बकरी चुराकर भागने की कोशिश की, ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए उनकी घेराबंदी कर ली। मौके पर ही तीनों बदमाशों को पकड़ लिया गया। गेहलर बड़ी निवासी नूरा भाबोर ने बताया कि उन्होंने रेकी करके इन लोगों को पकड़ा।

ग्रामीणों ने चोरों को पकड़कर पुलिस को सौंपा : बदमाशों को पकड़ने के बाद ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और उन्हें पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम सचित गणावा (निवासी नयागांव खालसा पंचकुई), उमेश मावी (निवासी मांडली) और हर्षित परमार (निवासी सहारा कॉलोनी, मेघनगर) बताए हैं। टीआई आरसी भास्करे ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

राजाराम शर्मा एवं सत्यनारायण शर्मा ने अपने इस्तीफ़े लिए वापस

मानपुर/उमरिया एजेंसी। अखिल भारतीय महाप्राण सुधार संगठन में लंबे समय से चल रही आंतरिक मतभेद की स्थिति अब समाप्त हो गई है। संगठन से पूर्व में दिए गए अपने इस्तीफ़ों को राजाराम शर्मा एवं सत्यनारायण शर्मा ने वापस ले लिया है। राष्ट्रीय महासचिव श्रीमती रेणुका शर्मा की अनुशंसा पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामदेव शर्मा ने दोनों नेताओं को पुनः उनके पूर्व पदों पर बहाल कर दिया है।

निर्णय के अनुसार— राजाराम शर्मा को पुनः राष्ट्रीय संगठन मंत्री सत्यनारायण शर्मा को पुनः राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद पर 25 नवम्बर 2025 से कार्यभार सौंप दिया गया है। अब दोनों ही नेता अपने-अपने पदों की पूर्ण अधिकारिता के साथ संगठन के सभी निर्णय ले सकेंगे।

SIR अभियान में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में अभय द्विवेदी की सक्रिय पहल

मानपुर एजेंसी। उमरिया जिले के मानपुर जनपद के ग्राम कुड़ी स्थित बूथ क्रमांक 91 पर विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को गति देने के लिए भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता अभय द्विवेदी ने महत्वपूर्ण पहल की। अभय द्विवेदी शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय कुड़ी पहुंचे, जहां उन्होंने वार्ड क्षेत्र के बीएलओ विजय चतुर्वेदी, सचिव सरोज गुप्ता, आंगनवाड़ी सहायिका गुंजन द्विवेदी एवं नागरिक रामचंद्र तिवारी के साथ बैठकर मतदाता सूची के अद्यतन कार्य की वास्तविक स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने बीएलओ से घर-घर सत्यापन की प्रगति का विस्तृत विवरण प्राप्त किया और यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि– प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल हो, त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियों का त्वरित सुधार किया जाए, और किसी भी पात्र मतदाता का नाम छूटने न पाए। अभय द्विवेदी ने ग्रामीणों से आवश्यक दस्तावेज समय पर उपलब्ध कराने और स्ट्रक्र प्रक्रिया में सक्रिय सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण लोकतंत्र की मजबूती का आधार है। गांव के नागरिकों से संवाद करते हुए उन्होंने सरल भाषा में स्ट्रक्र अभियान का उद्देश्य समझाया और बताया कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची को पूरी तरह अद्यतन, त्रुटिरहित और पारदर्शी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। ग्रामीणों ने अभय द्विवेदी की इस सक्रिय पहल की सराहना की।

आईसीसी टी20 रैंकिंग : स्कॉटलैंड समेत इस देश की महिला खिलाड़ियों ने लगाई लंबी छलांग

दुबई। आईसीसी विमेंस इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी 2025 में शानदार प्रदर्शन के बाद स्कॉटलैंड और थाईलैंड की कई महिला खिलाड़ियों ने आईसीसी टी20 रैंकिंग में बढ़त हासिल की है। स्कॉटलैंड की 20 वर्षीय ऑलराउंडर डार्सी कार्टर टूर्नामेंट की शुरुआत में शानदार प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्होंने यूएई, तंजानिया और युगांडा के खिलाफ अर्धशतकीय पारियां खेलीं। विमेंस इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी 2025 में कार्टर तीन बार %प्लेयर ऑफ द मैच% रहीं। दाएं हाथ की यह खिलाड़ी महिला टी20 बल्लेबाजों की लिस्ट में 35 पायदान ऊपर चढ़कर 36वें स्थान पर पहुंच गई हैं। ऑस्ट्रेलिया की बाएं हाथ की बल्लेबाज बेथ मूनी इस लिस्ट में शीर्ष पर हैं, जबकि वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज दूसरे स्थान पर हैं। भारत की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना इस सूची में तीसरे पायदान पर हैं। शेफाली वर्मा नौवें पायदान पर मौजूद हैं। बल्लेबाजों की इस सूची में पापुआ न्यू गिनी की अनुभवी पौके सियाका 15 पायदान ऊपर चढ़कर 65वें स्थान पर आई गई हैं, जबकि नीदरलैंड की दाएं हाथ की बल्लेबाज स्टेरे कालिस ने 8 स्थान ऊपर चढ़कर 70वां स्थान अपने नाम कर लिया है।

टी20 फॉर्मेट में महिला ऑलराउंडर खिलाडियों की लिस्ट को देखें, तो वेस्टइंडीज की स्टार हेली मैथ्यूज ने शीर्ष पायदान बरकरार रखा है, जबकि कार्टर 26 पायदान ऊपर चढ़कर 27वें स्थान पर पहुंच गई हैं। इनके अलावा, सियाका ने 28 पायदान की छलांग लगाई है। वह अब 36वें स्थान पर हैं। महिला टी20 गेंदबाजों की सूची देखें, तो ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड शीर्ष पर हैं। इनके अलावा, इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी इवेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाली कुछ गेंदबाजों ने भी रैंकिंग में सुधार किया है।

थाईलैंड की स्पिनर थिपाचा पुथावोंग 6 पायदान ऊपर 34वें स्थान पर पहुंच गई हैं। सुलेपोर्न लाओमी 13 पायदान ऊपर 47वें पायदान पर, जबकि सुनीदा चतुरेंगरटना 14 पायदान ऊपर चढ़कर 69वें स्थान पर पहुंच गई हैं। स्कॉटलैंड की ओलिविया बेल को नौ स्थान का फायदा पहुंचा है। वह अब 46वें स्थान पर हैं, जबकि अबताहा मकसूद नौ पायदान ऊपर 55वें पायदान पर पहुंच गई हैं।

भारत की 408 रनों से शर्मनाक हार - साउथ अफ्रीका ने 2-0 से सीरीज अपने नाम की

गुवाहाटी। गुवाहाटी टेस्ट में भारत को रिकॉर्ड 408 रनों से हार का सामना करना पड़ा, जिसके साथ साउथ अफ्रीका ने दो मैचों की सीरीज को 2-0 से अपने नाम कर लिया। ये ऐतिहासिक जीत इसलिए भी खास है क्योंकि साउथ अफ्रीका ने 25 साल बाद भारतीय सरज़मीं पर टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप किया है। इससे पहले 2000 में उन्होंने भारत को 2-0 से हराया था। बरसापारा स्टेडियम में खेले गए दूसरे टेस्ट में भारत के सामने 549 रनों का विशाल लक्ष्य था, लेकिन टीम महज़ 140 रन पर ढेर हो गई। भारतीय बल्लेबाज़ों में केवल रवींद्र जडेजा ही संघर्ष करते दिखे, जिन्होंने 54 रन की पारी खेली। साउथ अफ्रीका के गेंदबाज़ साइमन हार्मर ने मैच में कहर बरपाया और 6 विकेट लेकर भारत की कमर तोड़ दी।

इस हार के साथ टीम इंडिया का घरेलू मैदान पर विजय क्रम टूट गया और टीम के प्रदर्शन पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। अब आने वाली सीरीज में टीम को रणनीति और बल्लेबाज़ी दोनों पर नए सिरे से काम करना होगा।

टेंबा बावुमा ने की हैंसी क्रोनिए की बराबरी, 25 साल बाद भारत में टेस्ट सीरीज जीती दक्षिण अफ्रीका

गुवाहाटी, एजेंसी। गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 408 रन से हरा दिया। टेस्ट रनों के लिहाज से भारत की यह सबसे बड़ी हार है। वहीं दक्षिण अफ्रीका ने गुवाहाटी टेस्ट में जीत के साथ ही 0-2 से सीरीज अपने नाम कर ली है। कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका 30 रन से जीती थी। दक्षिण अफ्रीका ने 25 साल बाद भारत में टेस्ट सीरीज जीती है। आखिरी बार दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 1999-2000 में 2 टेस्ट मैचों की सीरीज में 0-2 से हराया था। उस सीरीज में दक्षिण अफ्रीका के कप्तान हैंसी क्रोनिए थे, जबकि भारत के कप्तान सचिन तेंदुलकर थे।

हैंसी क्रोनिए के बाद भारत में टेस्ट सीरीज जीतने वाले टेंबा बावुमा दक्षिण अफ्रीका के दूसरे कप्तान बन गए हैं।

गुवाहाटी टेस्ट में जीत के साथ टेंबा बावुमा का बतौर कप्तान टेस्ट न हारने का रिकॉर्ड भी बरकरार रहा। गुवाहाटी टेस्ट की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सेनुरन मुथुसामी के 109 और मार्को जानसेन के 93 रन की बदौलत 489 रन बनाए थे। भारत की तरफ से कुलदीप यादव ने 4, जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जडेजा और मोहम्मद सिराज ने 2-2 विकेट लिए थे।

भारतीय टीम पहली पारी में 201 रन पर सिमट गई थी और 288 रन से पिछड़ी थी। दक्षिण अफ्रीका के लिए मार्को जानसेन ने 6, सिमोन हार्मर ने 3 और केशव महाराज ने 1 विकेट लिए। दक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी 5 विकेट पर 260 रन बनाकर घोषित की थी और पहली पारी में मिले 288 रन की बढ़त के आधार पर भारत को 549 रन का लक्ष्य दिया। भारतीय टीम 140 पर सिमट गई और 408 रन के अंतर से टेस्ट क्रिकेट इतिहास की अपनी सबसे बड़ी हार गले लगा बैठी। दूसरी पारी दक्षिण अफ्रीका के लिए सिमोन हार्मर ने 37 रन देकर 6 विकेट लिए। केशव महाराज ने 2, मार्को जानसेन और सेनुरन मुथुसामी ने 1-1 विकेट लिए।

सर्जरी के बाद श्रेयस अय्यर ने रिकवरी पर दिया अपडेट, शुरू कर दी ट्रेनिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने सर्जरी के बाद ट्रेनिंग शुरू कर दी है। अय्यर ने अपनी रिकवरी को लेकर अपडेट दिया है। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह एक्सरसाइज बाइक पर नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर ने फैंस को बड़ी राहत दी है। श्रेयस अय्यर 25 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे मैच के दौरान कैच पकड़ने की कोशिश में चोटिल हो गए थे। उनकी स्प्लीन में गंभीर चोट आई थी। सिडनी में शुरुआती स्कैन में अंदरूनी रक्तस्त्राव का पता चला, जिसके बाद भारतीय खिलाड़ी को तुरंत आईसीयू में भर्ती कराया गया, जहां उन्हें बीसीसीआई और लोकल मेडिकल स्पेशलिस्ट की निगरानी में रखा गया। सूत्रों के मुताबिक, इस दौरान डॉक्टरों ने ब्लीडिंग रोकने के लिए एक माइनर सर्जरी की, जिसके बाद उनकी हालत स्थिर हो गई। हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होने के बाद अय्यर फॉलो-अप जांच के लिए कुछ दिन सिडनी में ही रहे। इसके बाद में अय्यर ने सोशल मीडिया के जरिए फैंस को बताया कि वह हर गुजरते दिन के साथ बेहतर हो रहे हैं। घर लौटने के बाद से अय्यर डॉ. दिनशॉ पटेल की रेगुलर मेडिकल देखरेख में थे। अब अय्यर ने फिर से अपनी रिकवरी पर एक पॉजिटिव अपडेट दिया है। अय्यर को एक्सरसाइज बाइक पर देखकर फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि वह ट्रेनिंग पर लौट आए हैं। मेडिकल एक्सपर्ट्स के अनुसार, स्प्लीन की चोट की गंभीरता को देखते हुए अय्यर को क्रिकेट मैदान से कम से कम दो महीनों का ब्रेक लेना पड़ सकता है।

भारत के लिए काल बना 36 साल का स्पिनर, जीता प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब

गुवाहाटी, एजेंसी। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज 0-2 से गंवा दी है। कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट में 30 रन से हार का सामना करने वाली टीम इंडिया को गुवाहाटी में खेले गए दूसरे टेस्ट में 408 रन के रिकॉर्ड अंतर से हार का सामना करना पड़ा। टेस्ट क्रिकेट में भारत की ये सबसे बड़ी हार है। इस टेस्ट सीरीज में भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा दक्षिण अफ्रीका के 36 साल के स्पिनर सिमोन हार्मर रहे। सिमोन हार्मर भारत की हार की सबसे बड़ी वजह बने। गुवाहाटी में खेले गए दूसरे टेस्ट की दूसरी पारी में 6 विकेट लेने वाले हार्मर ने मैच में 9 विकेट लेकर टीम की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाई। हार्मर ने कोलकाता टेस्ट में भी 8 विकेट लिए थे। कुल 17 विकेट लेने वाले दाएं हाथ के इस ऑफ स्पिनर को सीरीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने के बाद हार्मर ने कहा, मैंने पिछले टेस्ट में कहा था, यह एक लंबा सफर रहा है। 10 साल बाद, बिल्कुल अलग एहसास है। यहां से बहुत सारी अच्छी यादें लेकर जाऊंगा। एक बहुत अच्छी भारतीय टीम को हराना बहुत बड़ा प्रयास था। भारत में पांच विकेट लेना अच्छा लगा, जीत में अपना योगदान देकर अच्छा लगा। हार्मर की बड़ी सफलता इस बात का प्रमाण है कि भारतीय टीम की स्पिन गेंदबाजी खेलने की निपुणता में लगातार कमी आई है। हार्मर पूर्व में भी भारत में टेस्ट खेल चुके हैं और अब तक खेले कुल 4 टेस्ट मैचों में 27 विकेट ले चुके हैं।

गुवाहाटी टेस्ट जीतकर दक्षिण अफ्रीका ने सीरीज में 0-2 से क्लीन स्वीप किया और 25 साल बाद भारत की धरती पर टेस्ट सीरीज जीती। आखिरी बार दक्षिण अफ्रीका ने 1999-2000 में भारत में हैंसी क्रोनिए की कप्तानी में टेस्ट सीरीज जीती थी। गुवाहाटी टेस्ट की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 489 रन बनाए थे। भारतीय टीम पहली पारी में 201 रन पर सिमट गई थी और 288 रन से पिछड़ी थी। दक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी 5 विकेट पर 260 रन बनाकर घोषित की थी और पहली पारी में मिले 288 रन की बढ़त के आधार पर भारत को 549 रन का लक्ष्य दिया। भारतीय टीम 140 पर सिमट गई और 408 रन के अंतर से हार गई। पहली पारी में 93 रन बनाने और 6 विकेट लेने के साथ ही दूसरी पारी में 1 विकेट लेने वाले मार्को जानसेन प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

टी20 विश्व कप 2026 के लिए कौन सी टीम का नाम देखकर चौंके रोहित शर्मा

मुंबई, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 के शेड्यूल का ऐलान मंगलवार को मुंबई में एक कार्यक्रम में किया गया। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने अपनी कप्तानी में टी20 विश्व कप 2024 का खिताब जिताने वाले रोहित शर्मा को अगले टी20 विश्व कप के लिए ब्रांड एम्बेसडर बनाया है। रोहित शर्मा इस मौके पर मौजूद थे। रोहित ने विश्व कप में इटली के होने पर हैरानी जताई। रोहित शर्मा ने कहा, मैं उन्हें देखकर काफी हैरान हूं। उम्मीद है कि यूरोप, अफ्रीका और साउथ ईस्ट एशिया से भी कई टीमें आने वाले समय में देखने को मिलेंगी, जो इस खेल के लिए एक बड़ी चीज रहने वाली है। टी20 विश्व कप 2026 के लिए जारी शेड्यूल में इटली का नाम भी है। इटली पहली बार विश्व कप का हिस्सा है।

विश्व कप में हिस्सा ले रही अन्य टीमों के लिए पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, जितनी भी टीमें हिस्सा ले रही हैं, वह सब काफी अच्छी हैं, और आप किसी को भी हल्के में लेने की भूल नहीं कर सकते हैं। टी20 विश्व कप 2026 में 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं। यह पहला मौका है जब टी20 विश्व कप में 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं। टीमों को 5-5 की संख्या में 4 ग्रुप में बांटा गया है।

अगले टी20 विश्व कप में भारत के चैंपियन बनने की संभावना पर रोहित शर्मा ने कहा, आईसीसी का खिताब जीतना कभी भी आसान नहीं होता है। पिछले विश्व कप में हमने जादुई प्रदर्शन किया था। मैं उम्मीद करता हूं कि हमारे खिलाड़ी इस बार भी ऐसा कर पाएंगे।

भारत को टी20 विश्व कप 2026 में पाकिस्तान, नीदरलैंड, नामीबिया, और अमेरिका के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। भारतीय टीम 7 फरवरी को यूएसए, 12 फरवरी को नामीबिया, 15 फरवरी को कोलंबो, और 18 फरवरी को नीदरलैंड के खिलाफ खेलेगी। विश्व कप भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में हो रहा है।

फाइनल में पाकिस्तान नहीं, बल्कि इस टीम को हराकर टी20 वर्ल्ड कप जीतना चाहेंगे सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली, एजेंसी। एक दौर था, जब भारतीय क्रिकेटर और फैंस फाइनल में पाकिस्तान को मात देकर आईसीसी टूर्नामेंट जीतते देखना पसंद करते थे, लेकिन आज के दौर में हालात बदल गए हैं। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव के अनुसार, वह ऑस्ट्रेलिया को फाइनल में हराकर टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतना पसंद करेंगे। मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत 7 फरवरी से होगी। भारत और श्रीलंका में कुल 8 वेन्यू पर इस टूर्नामेंट का आयोजन होगा, जिसका फाइनल 8 मार्च को खेला जाना है। भारत और पाकिस्तान को ग्रुप-ए में रखा गया है। दोनों टीमें 15 फरवरी को हाईवोल्टेज मैच खेलेंगी। सूर्यकुमार यादव ने आईसीसी की ओर से आयोजित आगामी टी20 वर्ल्ड कप का शेड्यूल जारी करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में कहा, अगर अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल है, तो मैं चाहूंगा कि भारत ऑस्ट्रेलिया को हराकर खिताब जीते। भारत और ऑस्ट्रेलिया में क्रिकेट मैदान पर बढ़ती प्रतिद्वंदिता के बीच सूर्यकुमार यादव चाहते हैं कि भारत टी20 विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भिड़े। इसकी दूसरी वजह यह भी है कि टीम इंडिया कंगारुओं से वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में मिली हार का बदला लेना चाहती है। 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने 240 रन बनाए थे। इसके जवाब में ट्रेविस हेड (137) और मार्नस लाबुशेन (नाबाद 58) की शानदार पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने महज 43 ओवरों में फाइनल मुकाबला अपने नाम कर लिया था। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में कुल 20 टीमों को 5-5 के चार ग्रुप में बांटा गया है। भारत को भारत को ग्रुप-ए में रखा गया है। इस ग्रुप में टीम इंडिया के साथ पाकिस्तान, यूएसए, नीदरलैंड्स और नामीबिया की टीमें शामिल हैं। वहीं, ग्रुप-बी में श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और ओमान को रखा गया है। ग्रुप-सी में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, नेपाल और इटली को शामिल किया गया है, जबकि ग्रुप-डी में न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका, अफगानिस्तान, कनाडा और यूएई की टीमें शामिल हैं।

ऐसा पहली बार होगा जब मैं टी20 वर्ल्ड कप नहीं खेलूंगा, यह मेरे लिए अलग अनुभव है : रोहित शर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 पुरुष विश्व कप 2026 की शुरुआत 7 फरवरी से होने जा रही है। टी20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके विश्व कप विजेता कप्तान रोहित शर्मा को इस टूर्नामेंट का ब्रांड एंबेसडर चुना गया है। ऐसा पहली बार होगा जब रोहित शर्मा टी20 विश्व कप में नहीं खेलेंगे, यह उनके लिए एक अलग अनुभव होगा। रोहित शर्मा ने अब तक टी20 वर्ल्ड कप के सभी एडिशन में हिस्सा लिया है। वह साल 2007 की विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रहे। इसके बाद साल 2024 में बतौर कप्तान खिताब जीता। रोहित ने कहा, इतने सारे देशों को टी20 वर्ल्ड कप में खेलते देखना खुशी की बात है। यह पहली बार होगा जब मैं टी20 वर्ल्ड कप नहीं खेलूंगा। यह मेरे लिए एक अलग अनुभव है, लेकिन मुझे घर में टीवी पर मैच देखने की आदत हो गई है। इस मौके पर भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इस इवेंट को चैलेंजिंग बताते हुए कहा कि उनके टीम के साथी घर पर खेलने के लिए उत्साहित हैं। टी20 पुरुष विश्व कप 2026 में 20 टीमों को पांच-पांच टीमों के चार ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप से दो टीमें सुपर 8 स्टेज के लिए क्वालीफाई करेंगी। ग्रुप-ए में भारत और पाकिस्तान पर फोकस होगा।

वहीं नीदरलैंड्स और यूएसए भी इस ग्रुप में हैं, जिन्होंने 2024 में पिछले एडिशन में पाकिस्तान को चौंका दिया था। इनके अलावा, नामीबिया को भी इस ग्रुप में शामिल किया गया है। ग्रुप-बी में श्रीलंका के अलावा, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और ओमान की टीमें हैं। इनके अलावा, ग्रुप-सी में इंग्लैंड के साथ वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, नेपाल और इटली को शामिल किया गया है। ग्रुप-डी में न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका, अफगानिस्तान, कनाडा और यूएई की टीमें हैं। प्रत्येक ग्रुप से टॉप दो टीमें सुपर आठ स्टेज में आगे बढ़ेंगी, जो चार-चार के दो ग्रुप में बंटी होंगी। वहां से, प्रत्येक सुपर आठ पूल में टॉप दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी, जिसके बाद 8 मार्च को होने वाला फाइनल 2026 का चैंपियन तय करेगा।

रोइंग : पानी पर ताकत और तालमेल का खेल, जिसने ओलंपिक में बनाई खास पहचान

नई दिल्ली, एजेंसी। करीब 8 हजार ईसा पूर्व लोग लकड़ी के लट्ठों को आपस में बांधकर उसे इस तरह तैयार करते थे कि उसमें खड़े होकर नदी को पार कर सकें। इससे न सिर्फ उन लोगों को नदी पार करने में मदद मिलती थी, बल्कि वे इसकी सहायता से मछलियों को भी पकड़ते थे। धीरे-धीरे लकड़ी के लट्ठों को काट-छांटकर उसे नाव का आकार दिया गया। उस दौरान किसी ने सोचा नहीं था कि एक दिन यही नाव ओलंपिक में पानी पर ताकत और तालमेल का खेल बनेगी। साल 1829 में ऑक्सफोर्ड-कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी बोट रेस का आयोजन हुआ। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी को आठ पतवारों वाली नाव के साथ एक मैच में हिस्सा लेने की चुनौती दी थी। इस पहली रेस में ऑक्सफोर्ड ने जीत हासिल की थी। 19वीं शताब्दी तक यूरोप में रोइंग ने लोकप्रियता हासिल कर ली। 1900 पेरिस ओलंपिक में इस खेल को पहली बार शामिल किया गया, और तब से लेकर आज तक प्रत्येक ओलंपिक में इस खेल ने अपनी छाप छोड़ी है। 1976 मॉन्ट्रियल ओलंपिक में पहली बार महिलाओं की स्पर्धा को शामिल किया गया और फिर 1996 अटलांटा ओलंपिक में लाइटवेट स्पर्धाओं की शुरुआत हुई। रोइंग रेस के दो प्रकार होते हैं- स्कलिंग और स्वीप ओअर। स्कलिंग में दो पतवारों का प्रयोग होता है, जबकि स्वीप में नाविक एक पतवार का उपयोग करता है। नाव चलाने वाले एथलीट व्यक्तिगत रूप से या फिर 2, 4 और 8 की टीमों में प्रतिस्पर्धा करते हैं। डबल स्कल्स एथलीट दोनों हाथों में एक-एक पतवार पकड़ते हैं, जबकि स्वीप रोइंग एथलीट दोनों हाथों से एक पतवार को पकड़ते हैं। 8 व्यक्तियों की टीम में एक मुख्य चालक होता है, जो अन्य सदस्यों को निर्देश देता है। उसे %कॉक्सवेन% कहा जाता है।

उनके अलावा, अन्य सदस्य एक फुट पेडल के साथ पतवार को नियंत्रित करते हैं। प्रत्येक 10 से 12.4 मीटर की दूरी पर पानी की गहराई के साथ एक खास चीज को बांधकर रास्तों को चिन्हित किया जाता है। अगर किसी टीम या एथलीट से गलत शुरुआत हो जाए, तो उसे चेतावनी दी जाती है। अगर वह एथलीट या टीम गलती दोहराती है, तो उसे अयोग्य करार दिया जाता है। नाव का अगला भाग फिनिश लाइन कब पार करता है, यह जीत को तय करता है। भारतीय रोइंग ने पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह प्रगति की है, उसे देखते हुए ओलंपिक में भारत का भविष्य पहले से अधिक उज्ज्वल माना जा सकता है। भारतीय रोइंग में प्रतिभा का दायरा बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारतीय रोअर्स तेजी से उभरकर सामने आए हैं। यह भविष्य की टीम के लिए मजबूत आधार है। उम्मीद की जा सकती है कि भारत जल्द इस खेल में भी ओलंपिक पदक हासिल करेगा।

छत्तीसगढ़ देश का सबसे भरोसेमंद और तेज़ी से उभरता औद्योगिक गंतव्य : मुख्यमंत्री

दल्ली में आयोजित इन्वेस्टर कनेट कार्यक्रम में 3,000 से ज्यादा रोजगार का खुला रास्ता

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राजधानी दिल्ली आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ को अभूतपूर्व निवेश प्रस्ताव मिले। स्टील, ऊर्जा और पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख कंपनियों ने राज्य में उद्योग स्थापित करने, क्षमता विस्तार, होटल निर्माण और वेस्ट-टू-एनर्जी प्रोजेक्ट के लिए रुचि दिखाई। कार्यक्रम में शामिल कंपनियों ने कुल 6321.25 करोड़ के औद्योगिक निवेश और 505 करोड़ का पर्यटन निवेश का प्रस्ताव दिया है। इन परियोजनाओं से आगामी वर्षों में 3,000 से अधिक रोजगार अवसर सृजित होने की उम्मीद है। इस निवेश प्रस्ताव के साथ अब तक छत्तीसगढ़ को कुल 7.90 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। दिल्ली स्थित होटल द ललित में आज आयोजित कार्यक्रम में स्टील और टूरिज़्म सेक्टर को केंद्र में रखते हुए नए निवेश अवसरों पर फोकस किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उद्योग जगत के प्रमुख निवेशकों, विशेषज्ञों और उद्योग प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की एवं स्टील और टूरिज़्म सेक्टर की कई कंपनियों को निवेश प्रस्ताव पत्र सौंपे।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, भारत सरकार के केमिकल और उर्वरक मंत्रालय के सचिव अमित अग्रवाल, इस्पात मंत्रालय के सचिव संदीप पौंडरिक भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों को निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ आज देश के सबसे भरोसेमंद, स्थिर और तेज़ी से उभरते हुए औद्योगिक गंतव्यों में शामिल है। उन्होंने कहा कि राज्य में ऊर्जा, खनिज, सक्षम मानव संसाधन और निवेशक-हितैषी नीति का ऐसा संयोजन मौजूद है, जो किसी भी उद्योग के लिए अत्यंत उपयुक्त वातावरण तैयार करता है।

उन्होंने बताया कि सिंगल विंडो सिस्टम के तहत अनुमतियाँ अब पहले की तुलना में अधिक तेज़ी और पारदर्शिता के साथ जारी हो रही हैं। छत्तीसगढ़ में उद्योग लगाना आज पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है। राज्य में कोयला, लौह अयस्क, बॉक्साइट, टिन, लिथियम जैसे महत्वपूर्ण खनिजों की उपस्थिति बड़े औद्योगिक और विनिर्माण क्षेत्र के लिए वरदान है। उन्होंने कहा कि हाल ही में आयोजित 'एनर्जी समिट' में राज्य को साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और कई परियोजनाओं में कार्य प्रारंभ भी हो चुका है। मुख्यमंत्री साय ने स्टील सेक्टर का उल्लेख करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ देश का स्टील हब है, जहां भिलाई स्टील प्लांट, नगरनार स्टील प्लांट और एमएसएमई आधारित स्टील इकाइयां राज्य की औद्योगिक पहचान को मजबूती प्रदान कर रही हैं। उन्होंने कहा भिलाई स्टील प्लांट पिछले 70 वर्षों से देश की औद्योगिक प्रगति का स्तंभ रहा है और इसकी उपस्थिति ने स्टील आधारित उद्योगों का प्राकृतिक इकोसिस्टम तैयार किया है। ग्रीन स्टील और नवीकरणीय ऊर्जा पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा निर्धारित नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य राज्य के लिए नए अवसर लेकर आया है और छत्तीसगढ़ इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

टूरिज़्म सेक्टर पर बात करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि बस्तर आज बहुत बदल रहा है। नक्सल हिंसा में कमी आई है, सड़कें, इंटरनेट और सुरक्षा व्यवस्था बेहतर हुई है। उन्होंने कहा कि बस्तर अब निवेश और पर्यटन दोनों का नया केंद्र बन रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि 26 मार्च 2026 तक बस्तर पूरी तरह नक्सल-मुक्त हो जाए। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया गया है और राज्य सरकार होम-स्टे नीति, ट्राइबल टूरिज्म व सस्टेनेबल टूरिज्म पर फोकस कर रही है।

संविधान के 75 वर्ष, रायपुर में छायाचित्र प्रदर्शनी और संगोष्ठी का आयोजन

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय करेंगे शुभारंभ

रायपुर। भारतीय संविधान के अंगीकरण के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राजधानी रायपुर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर टाउन हॉल में जनसंपर्क विभाग द्वारा भारतीय संविधान पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी लगाई गई है। संस्कृति विभाग, जिल्क़ प्रशासन एवं नगर निगम रायपुर द्वारा संयुक्त रूप से एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 26 नवंबर को प्रातः 11 बजे टाउन हॉल में आयोजित इस छायाचित्र प्रदर्शनी और संगोष्ठी का शुभारंभ करेंगे। शुभारंभ कार्यक्रम से पूर्व मुख्यमंत्री रायपुर के अम्बेडकर चौक में भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। संविधान दिवस के अवसर पर शासकीय कार्यालयों में संविधान की प्रस्तावना का वाचन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

28 नवम्बर तक गणना फॉर्म वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन का शत-प्रतिशत काम पूर्ण

करने वाले हर विधानसभा क्षेत्र के प्रथम तीन बीएलओ को किया जाएगा पुरस्कृत

रायपुर। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य में अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के आधार पर मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) पूरे प्रदेश में व्यवस्थित एवं प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। इस पुनरीक्षण अभियान के सुचारू क्रियान्वयन में बीएलओ की महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखते हुए उत्कृष्ट एवं समयबद्ध कार्य करने वाले बीएलओ को प्रशस्ति पत्र के साथ पुरस्कार राशि भी प्रदान की जाएगी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अधिकारियों ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्धारित मानकों के अनुसार राज्य के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में जहाँ किसी भी भाग संख्या पर 800 या उससे अधिक पंजीकृत मतदाता हैं, वहाँ 28 नवम्बर 2025 तक गणना फॉर्म वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन का शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण करने वाले प्रथम तीन बीएलओ को पुरस्कृत किया जाएगा। इसके अंतर्गत राज्य के सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों से तीन-तीन बीएलओ यानि कुल 270 बीएलओ को 25 जनवरी 2026 को आगामी राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रमों में पुरस्कार दिए जाएंगे। पुरस्कार के लिए चयनित बीएलओ को प्रशस्ति पत्र के साथ पांच हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

बीएलओ के चयन एवं अनुशंसा की प्रक्रिया संबंधित विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (श्वऱ्ह्र) द्वारा सुनिश्चित की जाएगी। ईआरओ द्वारा अनुशंसित बीएलओ ही पुरस्कार के लिए पात्र माने जाएंगे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री यशवंत कुमार ने सभी कलेक्टरों एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे पुरस्कार के लिए पात्र बीएलओ की पहचान, चयन एवं पुरस्कार वितरण से संबंधित सभी कार्यों को समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करते हुए राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर बीएलओ को पुरस्कृत करने की तैयारियाँ पूर्ण करें।

किसानों के समय पर भुगतान से बढ़ा आत्मविश्वास धान खरीदी शुरू होते ही मिली राहत

रायपुर। प्रदेश में समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन जारी है. कबीरधाम जिले के खाम्ही गांव के छोटे किसान हजारी कश्यप इस बार धान खरीदी शुरू होते ही नई ऊर्जा और खुशी से भर उठे। उनकी कुल 2.50 एकड़ जमीन में से 1.20 एकड़ में धान और बाकी खेत में गन्ने की फसल लहलहा रही थी। जैसे ही 15 नवंबर से जिले में धान खरीदी शुरू हुई, श्री हजारी कश्यप ने सबसे पहले अपना टोकन लिया और अपने धान की बिक्री के लिए तैयार हो गए। धान खरीदी केंद्र पहुंचने पर उन्हें पूरा माहौल सहज और सुव्यवस्थित लगा। केंद्र पर किसानों के बैठने से लेकर

जशपुर के युवाओं को निफ्टेम विशेषज्ञों ने दिया प्रशिक्षण

मोटा अनाज के वैल्यू-एडेड उत्पादों की ओर बढ़ते कदम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। जशपुर जिले में युवाओं को मोटा अनाज से तैयार होने वाले वैल्यू-एडेड खाद्य उत्पादों की ट्रेनिंग दी गई। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को रोजगार और उद्यमिता से जोड़ते हुए किसानों की आमदनी बढ़ाना और गांवों में आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। यह विशेष प्रशिक्षण निफ्टेम, कुंडली (सोनीपत, हरियाणा) के ग्राम अंगीकरण कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर प्रसन्ना कुमार जी.वी. और अभिमन्यु गौड़ के मार्गदर्शन में हुआ। प्रशिक्षण जशपुर नगर के महुआ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में आयोजित किया गया, जिसमें एनईएस कॉलेज जशपुर के 25 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम में युवाओं को नानखटाई, कपकेक और न्यूट्री-बार जैसे मोटा अनाज आधारित स्वादिष्ट और पोषक उत्पाद बनाने की प्रैक्टिकल ट्रेनिंग दी गई। इसके साथ ही उन्हें आधुनिक तकनीक, प्रोसेसिंग के तरीके और छोटे व्यवसाय शुरू करने के लिए जरूरी जानकारी भी प्रदान की गई। युवाओं को यह बताया गया कि कैसे मोटे और कच्चे अनाज को बाजार में बिकने वाले उच्च गुणवत्ता के उत्पादों में बदला जा सकता है। प्रोफेसर प्रसन्ना कुमार ने युवाओं को मोटा अनाज के नए-नए उत्पाद विकसित करने और पारंपरिक तरीकों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं के जरिए मिलने वाली फंडिंग, ब्रांडिंग और मार्केटिंग सपोर्ट का उपयोग करके ये युवा बड़े स्तर पर उत्पादन शुरू कर सकते हैं।

सिम्स में हाइडेटिड सिस्ट का पांचवाँ सफल दूरबीन ऑपरेशन

लैप्रोस्कोपी से बनी बड़ी सर्जरी भी सुरक्षित, मरीज हुई जल्द स्वस्थ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) बिलासपुर ने जटिल सर्जरी के क्षेत्र में एक और बड़ी कामयाबी दर्ज की है। सर्जरी विभाग की टीम ने दूरबीन (लैप्रोस्कोपिक) तकनीक का उपयोग करते हुए लिवर में मौजूद 10 सेंटीमीटर के हाइडेटिड सिस्ट को सुरक्षित रूप से निकाल दिया। यह सिम्स में इस तरह की पाँचवीं सफल लैप्रोस्कोपिक सर्जरी है। मुंगेली की 20 वर्षीय तीजन नेताम पेट में भारीपन, भूख कम लगना और असहजता की शिकायत के साथ सिम्स पहुंची। सोनोग्राफी और सीटी स्कैन में लिवर के दाहिने हिस्से में बड़ा हाइडेटिड सिस्ट पाया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिम्स प्रशासन के मार्गदर्शन में इसे दूरबीन पद्धति से ऑपरेट करने का फैसला लिया गया।

सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. ओ.पी. राज के नेतृत्व में डॉ. रघुराज सिंह, डॉ. बी.डी. तिवारी और डॉ. प्रियंका माहेश्वर की टीम ने ऑपरेशन को अंजाम दिया। एनेस्थीसिया विभाग से डॉ. मधुमिता मूर्ति, डॉ. भावना रायजादा, डॉ. मिल्टन, डॉ. मयंक आगरे व पीजी रेजिडेंट्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रेडियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना सिंह ने सटीक रिपोर्टिंग कर सर्जरी में अहम सहयोग दिया। ओटी स्टाफ सिस्टर योगेश्वरी, संतोष पांडे और अश्वनी मिश्रा का काम भी सराहनीय रहा। लैप्रोस्कोपिक तकनीक की वजह से बहुत कम चीरा लगा, रक्तस्राव लगभग नगण्य रहा मरीज जल्द ही सामान्य दिनचर्या में लौट सकती है

यह एक परजीवी संक्रमण है, जो इकाईनोकोकस ग्रेन्यूलोसस (कुत्ता फीता कृमि) के कारण होता है। यह आमतौर पर लिवर और फेफड़ों को प्रभावित करता है। संक्रमण अक्सर दूषित पानी, संक्रमित भोजन, और कुत्तों-भेड़ों के संपर्क से फैलता है। इसके मुख्य लक्षण - पेट दर्द, भारीपन, भूख कम लगना, जल्दी पेट भरने का एहसास इसके मुख्य लक्षण है। गहरे और बड़े सिस्ट लीवर की कार्यप्रणाली पर असर डालते हैं और फटने पर ऐनाफाइलैक्सिस जैसी जानलेवा स्थिति भी बन सकती है। स्वच्छ पानी, साफ भोजन और राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान के तहत क्रीमनाशक दवाओं का सेवन कर इस रोग से बचाव किया जा सकता है।

पीएम आवास और अन्य योजनाओं के लाभ से बदली जिंदगी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री आवास योजना से जांजगीर-चांपा जिले के सोनसरी गांव के निवासी श्री मनराखन निर्मलकर के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। इस योजना में उनके वर्षों के सपने को पूरा कर दिया है। सीमित आय और आर्थिक विषमता के कारण वे जर्जर कच्चे मकान में परिवार सहित कठिन परिस्थितियों में जीवन व्यतीत कर रहे थे। बरसात के दौरान टपकती छत और भीगती दीवारें उनके लिए रोज की चुनौती बन चुकी थीं। वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उन्हें 1.20 लाख रुपये की स्वीकृति प्राप्त हुई, जिसके साथ ही उनके जीवन में नई उम्मीद जागी और पक्के घर के निर्माण का कार्य प्रारंभ हुआ। निर्माण अवधि में महात्मा गांधी नरेगा के माध्यम से 90 दिवस की मजदूरी प्रदान की गई। साथ ही स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय तथा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से एलपीजी गैस कनेक्शन उपलब्ध कराया गया।

शासन की योजनाओं का यह समन्वित लाभ उनके परिवार को सुविधा, सुरक्षा और सम्मान प्रदान करने में महत्वपूर्ण साबित हुआ। आज मनराखन अपने नवनिर्मित पक्के घर में सुरक्षित और गरिमापूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं। वे बताते हैं कि गरीबी के कारण पक्के घर का सपना कभी दूर की कौड़ी लगता था, परंतु प्रधानमंत्री आवास योजना ने इस सपने को साकार कर दिया। उनका कहना है कि शासन की योजनाओं ने उन्हें आत्मविश्वास, सम्मान और बेहतर भविष्य की राह दिखाई है। प्रधानमंत्री आवास योजना केवल आवास उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण परिवारों के जीवन स्तर में व्यापक परिवर्तन लाने का सशक्त माध्यम बन रही है।

बिहान से जुड़कर निर्मला के जीवन में आया सकारात्मक बदलाव

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। जहां चाह वहां राह यह उक्ति साकार हो रही है. राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' की हितग्राही विकासखण्ड फरसगांव के ग्राम पंचायत चरकई की जय श्री राम स्व सहायता समूह की सदस्य निर्मला शोरी सफलता की नई कहानी लिख रही है। समूह के माध्यम से कृषि कार्य के साथ किराना दुकान का संचालन कर आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार कर रही है। इन गतिविधियों से उनकी सालाना आय 01 लाख 20 हजार रूपए तक पहुंच गई है। स्व सहायता समूह जय श्री राम स्वसहायता समूह की सचिव निर्मला शोरी जो गांव चरकई की रहने वाली है, समूह से जुड़ने के बाद उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। वे न केवल स्वयं आत्मनिर्भर हुई हैं, बल्कि अपने पूरे परिवार की आजीविका को चलाने में सक्षम हुई हैं। निर्मला को समूह के माध्यम से 15 हजार रूपए की आएफ राशि और 60 हजार सीआईएफ राशि प्राप्त हुई है। इस प्रकार निर्मला को समूह से कुल 75 हजार रूपए की अनुदान राशि एवं ऋण राशि प्राप्त हुई है। उनके द्वारा कृषि कार्य, किराना दुकान, सब्जी उत्पादन जैसे आजीविका गतिविधियां की जा रही है।

समूह से जुड़ने से पहले निर्मला कृषि मजदुरी करती थी। पहले उनकी परिवार की आय 40 हजार रूपए सालाना था। समूह से जुड़ने के बाद कृषि के साथ किराना दुकान का संचालन शुरू किया, जिससे उनकी आमदनी में बढ़ोत्तरी हुई। वे धान व मक्के की खेती से उन्हें 50 हजार रूपए, किराना दुकान से लगभग 50 हजार रूपए और सब्जी उत्पादन से लगभग 20 हजार रूपए की राशि सहित निर्मला शोरी को सालाना लगभग 01 लाख 20 हजार रूपए की सालाना आमदनी हो रही है। विभिन्न आजीविका गतिविधियों से निर्मला आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ अब दोगुनी आय प्राप्त कर रही है, जिससे वे अपने परिवार का बेहतर पालन पोषण करने में सक्षम हुई है और उनके परिवार की जीवन स्तर में सुधार आया है।

कठिनाइयां ही इंसान को मजबूत बनाती हैं : वित्त मंत्री

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। युवाओं के उज्ज्वल भविष्य, प्रेरणा और सुनियोजित कैरियर निर्माण के उद्देश्य से प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी. चौधरी के विशेष पहल पर आज रायगढ जिले के पुसौर में भव्य कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश के प्रसिद्ध शिक्षाविद तथा सुपर-30 के संस्थापक पद्मश्री आनंद कुमार ने विद्यार्थियों को सफलता के मंत्र दिए। कार्यक्रम के दौरान वित्त मंत्री ने 66 चयनित विद्यार्थियों को 5-5 हजार रुपये स्वेच्छानुदान प्रदान करने की घोषणा की। इसके साथ ही कहा कि आगामी वर्ष कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं की मेरिट सूचियों में स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को 1-1 लाख रुपये शिक्षा सहायता दिया जाएगा।

कठिनाइयाँ ही इंसान को मजबूत बनाती हैं: कार्यक्रम में सर्वप्रथम वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप सरकार युवाओं के भविष्य निर्माण हेतु निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि जीवन में बड़ी सफलता के लिए स्पष्ट लक्ष्य, सही मार्गदर्शन और कड़ी मेहनत अत्यंत आवश्यक हैं। कठिनाइयाँ ही इंसान को मजबूत बनाती हैं। उन्होंने अपने छात्र जीवन के संघर्षों तथा सरकारी स्कूल से कलेक्टर और मंत्री बनने की प्रेरक यात्रा साझा करते हुए कहा कि मेहनत, निर्णय शक्ति और समय के सही उपयोग से कोई लक्ष्य असंभव नहीं। उन्होंने बताया कि केवल डिग्री को महत्व देना पर्याप्त नहीं, बल्कि लक्ष्य आधारित पढ़ाई, दृढ़ संकल्प और परिस्थितियों को स्वीकार कर आगे बढ़ना ही सफलता का मूल मंत्र है। उन्होंने विराट कोहली के कठिन समय में अद्भुत समर्पण का उदाहरण देकर समझाया कि कठिनाइयाँ जीवन में ऊँची छलांग लगाने की तैयारी करवाती हैं। श्री चौधरी ने युवाओं को सलाह दी कि अपनी क्षमता को पहचानें और उसके अनुसार करियर चुनें। योजना बनाकर, धैर्य और परिश्रम के साथ लक्ष्य की ओर बढ़ें।

कठिनाइयां ही इंसान को मजबूत बनाती हैं

साधारण शुरुआत असाधारण सफलता का आधार बनती है: छात्रों को संबोधित करते हुए पद्मश्री आनंद कुमार ने कहा कि कठिन परिस्थितियों में धैर्य और आत्मविश्वास बनाए रखने वाला व्यक्ति जीवन में अवश्य सफल होता है। उन्होंने अपने संघर्षपूर्ण जीवन की प्रेरक यात्रा साझा करते हुए बताया कि पिता के निधन के बाद उन्हें आर्थिक तंगी से जूझना पड़ा, पापड़ बेचने पड़े और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में चयन होने के बावजूद वे आर्थिक परिस्थितियों के कारण नहीं जा सके। उन्होंने कहा कि सुविधाओं का अभाव सफलता में बाधा नहीं, बल्कि संघर्ष करने की प्रेरणा है। जो भी काम करो, उसे सर्वश्रेष्ठ तरीके से करो, मेहनत में कमी मत आने दो। उन्होंने सुपर-30 के विद्यार्थियों अभिषेक राज, शशि नारायण और निधि झा जैसी सफल प्रेरक कहानियाँ उदाहरण स्वरूप साझा कीं। उन्होंने कहा कि अवसरों की कमी का रोना न रोएँ, बल्कि अवसर स्वयं बनाएँ। संघर्षों को सफलता की सीढ़ी बनाएँ। अंत में उन्होंने कहा कि जीवन में बड़ा बनने के लिए जन्म से नहीं, कर्म और संकल्प से पहचान बनती है। कोई भी साधारण शुरुआत असाधारण सफलता का आधार बन सकती है।

कार्यक्रम में विभिन्न कक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का मंच पर सम्मान किया गया। पुसौर और खरसिया विकासखण्ड के बच्चों ने पहली बार सुपर-30 के संस्थापक पद्मश्री आनंद कुमार को देखा और उनकी बातों को तन्मयता से सुना। उनके प्रेरक विचारों के दौरान सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। बड़ी संख्या में उपस्थित विद्यार्थियों ने कार्यक्रम से प्रेरणा प्राप्त की। कार्यक्रम में नगर निगम महापौर जीवर्धन चौहान, नगर पंचायत पुसौर के अध्यक्ष मानी मोहित सतपथी, जनपद पंचायत अध्यक्ष हेमलता चौहान, उमेश अग्रवाल, लक्ष्मी जीवन पटेल, बृजेश गुप्ता, जैमिनी गुप्ता, संदीप पंडा, प्रवीण द्विवेदी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा